Eid Mubarak

त्रिपुरी टाइम्स

वर्ष 10 अंक 62

tripuritimes@gmail.com

जबलपुर, सोमवार 31 मार्च 2025

पृष्ठ संख्या : 8 मूल्य : 2 रुपए

लालू ने बिहार को किया बदनाम, राजग सरकार आई तो शुरू होंगी बंद चीनी मिलें : शाह

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता अमित शाह ने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) अध्यक्ष लालू प्रसाद पर उनकी पार्टी की सरकार में प्रदेश की विधि-व्यवस्था और सहकारिता को चौपट कर राज्य को बदनाम करने का आरोप लगाते हुए आज वादा किया कि इस वर्ष होने वाले विधानसभा चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की फिर से सरकार बनी तो सूबे की बंद पड़ीं सभी चीनी मिलों को शुरू करा दिया जाएगा। श्री शाह ने रविवार को यहां बापू सभागार में सहकारिता विभाग के कार्यक्रम में चार विभागों की 823 करोड़ रुपये की योजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन किया। साथ ही मिथिला की महत्वाकांक्षी परियोजना मखाना प्रसंस्करण केंद्र का ऑनलाइन उद्घाटन किया तथा 100 सहकारी समितियों को माइक्रो एटीएम भी बांटें। केंद्रीय सहकारिता मंत्री ने कार्यक्रम में अपने संबोधन के दौरान आरोप लगाते हुए कहा कि राजद के शासनकाल में अपहरण, हत्या, लूट और नरसंहार होते थे। उन्होंने राजद अध्यक्ष श्री यादव पर हमला बोला और कहा कि उनके 15 साल के शासन में बिहार की पूरी सहकारिता चौपट हो गई। सैंकड़ों चीनी मिल बंद हो गयीं। श्री शाह ने श्री यादव पर निशाना साधा और कहा कि उन्होंने चारा घोटाला करके बिहार को पूरे विश्व में बदनाम कर दिया। लेकिन, जब बिहार में श्री नीतीश कुमार की सरकार बनी तो गांव-गांव तक सड़कें पहुंची, बिजली पहुंची और हर घर तक नल का जल पहुंचा। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि चीनी के उत्पादन में बिहार का हिस्सा 30 प्रतिशत से भी अधिक था, राजद शासन की कुव्यवस्था के कारण घटकर छह प्रतिशत के नीचे चली गई है। बिहार में अन्न का उत्पादन काफी घट गया। उन्होंने कहा, मैं बिहार की जनता को कहने आया हूं कि वर्ष 2025 के चुनाव में फिर से राजग की सरकार बनाइए हम सारी चीनी मिलों को चालू कर देंगे। श्री शाह ने कहा कि बिहार के गरीबों को आगे बढ़ाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हमेशा चिंता करते हैं। उन्होंने कहा कि श्री लालू यादव संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) की सरकार में मंत्री थे तो बिहार को दस वर्ष में मात्र दो लाख 80 हजार करोड़ रुपये मिले जबकि केंद्र की मौजूदा मोदी सरकार ने दस साल में बिहार को नौ लाख 23 हजार करोड़ रुपए दिए। साथ ही चार लाख करोड़ रुपये के सड़क-पुल की परियोजनाएं, एक लाख करोड़ रुपये की रेल परियोजना और दो लाख करोड़ रुपये की हवाई परियोजनाएं मिली हैं। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने दस साल के भीतर जनता की सुविधा के हर क्षेत्र में काम किया। उन्होंने कहा कि 81 करोड़ परिवारों को पांच किलो प्रति व्यक्ति मुफ्त अनाज दिया जा रहा है। चार करोड़ लोगों को घर दिया गया। उन्होंने दावा किया कि यदि गरीबों के लिए किसी ने काम किया तो वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हैं। श्री शाह ने कहा, बीते 10 साल में मोदी सरकार ने देश के 60 करोड़ गरीब के लिए काम किया। मैं लालू जी से पूछता हूं कि आपने गरीबों के लिए कुछ किया हो तो खाका लेकर आइए। लालू यादव ने गरीबों के लिए कुछ नहीं किया। मोदी जी ने गरीबों की मदद के लिए सहकारिता क्षेत्र में काम किया। सहकारिता क्षेत्र का सबसे ज्यादा फायदा बिहार को होने वाला हैं।

अन्तरराष्ट्रीय योग दिवस विराट महोत्सव बना: मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि दस साल पहले 21 जून 2015 को शुरू हुआ पहला अन्तरराष्ट्रीय योग दिवस ने अब एक विराट महोत्सव का रूप ले लिया है। श्री मोदी ने रेडियो पर अपने मासिक प्रसारण 'मन की बात' की 120वीं कड़ी के सम्बोधन में रविवार को कहा कि मानवता भारत की ओर से यह एक ऐसा अनमोल उपहार है, जो भविष्य की पीढ़ी के बहुत काम आने वाला है। श्री मोदी ने कहा कि साल 2025 के योग दिवस की थीम रखी गई है, ह्य योगा फॉर वन अर्थ वन हेल्थ' यानि हम योग के जरिए पूरे विश्व को स्वस्थ बनाने की कामना करते हैं। उन्होंने कहा,मेरे प्यारे देशवासियो, आज फिटनेस के साथ-साथ गिनती की बड़ी भूमिका हो गई। एक दिन में कितने कदम चले इसकी गिनती, एक दिन में कितनी कैलोरीज खायी और कितनी कैलोरीज इस्तेमाल हुई इनका हिसाब, इतने सारे हिसाब के बीच, एक और उल्टी गिनती शुरू होने वाला है। विश्व योग दिवस की उल्टी गिनती। योग दिवस में अब 100 दिन से भी कम समय रह गया है। अगर आपने अपने जीवन में अब तक योग को शामिल नहीं किया है तो अब जरूर कर लीजिए अभी देर नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि यह हम सबके लिए गर्व करने वाली बात है कि आज हमारे योग और परंपरागत दवाओं को लेकर पूरी दुनिया में जिज्ञासा बढ़ रही है। बड़ी संख्या में युवा योग और आयुर्वेद को स्वस्थ होने के एक बेहतरीन माध्यम मानकर इसे अपना रहे हैं। अब जैसे दक्षिण अफ्रीका का देश चीली है। वहां आयुर्वेद तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। पिछले साल मैं ब्राजील की यात्रा के दौरान चीली के राष्ट्रपति से मिला था। आयुर्वेद की इस प्रसिद्धि को लेकर हमारे बीच काफी चर्चा हुई थी। मुझे 'सोमोस इंडिया' नाम की टीम के बारे में पता चला है। (स्पेनिश में इसका अर्थ है - हम भारत हैं. यह टीम करीब एक दशक से योग और आयुर्वेद को बढ़ावा देने में जुटी है।) उनका ध्यान उपचार के साथ-साथ शैक्षिक कार्यक्रमों पर भी है। वे आयुर्वेद और योग से संबंधित जानकारियों को स्पेनिश भाषा में अनुवाद भी करवा रहे हैं। सिर्फ पिछले वर्ष की बात करें तो उनके अलग-अलग कार्यक्रम और पाठ्यक्रम में करीब नौ हजार लोगों ने हिस्सा लिया था। श्री मोदी ने कहा,मैं इस टीम से जुड़े सभी लोगों को उनके इस प्रयास के लिए बहुत-बहुत बधाई देता हूँ।

दिल्ली के हर एक अस्पताल में खुलेगा जन औषधि केंद्र

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार ने लोगों को सस्ती दवाएं उपलब्ध कराने के लिए केंद्र सरकार प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केंद्र योजना चला रही है। इस योजना के तहत अब तक देशभर में 13,200 जन औषधि केंद्र खोले जा चुके हैं। सरकार का लक्ष्य मार्च 2027 तक इनकी संख्या 25 हजार तक पहुंचाने का है। कोई भी व्यक्ति, अस्पताल, एनजीओ, या फार्मासिस्ट जन औषधि केंद्र खोल सकता है। दिल्ली सरकार ने सभी सरकारी अस्पतालों को निर्देश दिया है कि वे अपने परिसर में कम से कम एक जन औषधि केंद्र स्थापित करें। इसका उद्देश्य मरीजों को महंगी ब्रांडेड दवाओं की बजाय सस्ती जेनेरिक दवाएं उपलब्ध कराना है। जन औषधि केंद्रों पर विश्व स्वास्थ्य संगठन प्रमाणित दवाएं और चिकित्सा उपकरण 50-70 प्रतिशत कम कीमत पर उपलब्ध होंगे। आयुर्वेदिक, यूनानी, सिद्ध और होम्योपैथिक अस्पतालों में ये केंद्र नहीं खुलेंगे। जन औषधि केंद्रों की स्थापना की प्रक्रिया पहले ही कई सरकारी अस्पतालों में शुरू हो चुकी है।

बुजुर्ग की बलि देकर होलिका में जलाया, गेहूं के खेत में मिला कटा हुआ सिर

नई दिल्ली, एजेंसी। अंधविश्वास एक बीमारी की तरह है जिसकी चपेट में आकर लोग अपनी जिंदगी और गलत राश्ता अपना लेते हैं। ऐसा ही एक ताजा मामला औरंगाबाद जिले के मदनपुर थाना क्षेत्र में सामने आया है, जहां अंधविश्वास के चलते एक बुजुर्ग की बलि दे दी गई। इस नरबलि का खुलासा पुलिस ने किया है। पुलिस ने इस मामले में पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इस हत्याकांड का मुख्य आरोपी फरार हैं। जानकारी के मुताबिक यह मामला 13 मार्च 2025 का है। मदनपुर थाना क्षेत्र के गुलाब बिगहा के होलिका से एक व्यक्ति का सिर कटा शव बरामद किया था। पुलिस की जांच-पड़ताल से पता चला कि नरमुंड गुलाब बिगहा निवासी 65 साल के युगल यादव का है। बताया जा रहा है कि युगल यादव 13 मार्च को होलिका दहन के दिन घर से निकले थे, लेकिन फिर वह वापस घर नहीं लौटे। परिजनों ने आशंका जताई थी कि उनको होलिका की अगजा में रखकर जला दिया गया है। कांड की गंभीरता को लेकर एसपी ने मदनपुर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में एक टीम बनाई। टीम ने छानबीन शुरू की तो पता चला कि पूणार्डीह गांव के पास बंगरे के होलिका दहन सामग्री से अपहृत व्यक्ति की हड्डियां मिली है। इसके बाद पुलिस ने होलिका दहन वाले स्थल से अपहृत व्यक्ति की चप्पल भी बरामद की। नजदीक की पुलिया पर खून के निशान पाए गए। जब इन सब को जोड़ा गया तो यह रामाशीष रिकियासन के घर से जुड़ गया, लेकिन इसकी भनक रामाशीष को लग गई और वह फरार हो गया। वहां मौजूद उसके साले धर्मेंद्र रिकियासन को जब पुलिस ने पकड़कर सख्ती से पूछताछ की तो उसने हत्या का राज उगल दिया। इसके बाद धर्मेंद्र की निशानदेही पर अपहृत व्यक्ति की साइकिल बरामद की गई। वहीं घटनास्थल पर पुलिस ने रात में जमीन को खोदा। अगले दिन सुबह में खोदी गई जमीन के पास ही गेहूं के खेत से मृतक का सिर बरामद किया गया। वारदात में इस्तेमाल हथियार पूणार्डीह और मजरेठी गांव के बीच एक नाले से पसुली हथियार बरामद हुआ। इसके बाद पुलिस ने अन्य चार आरोपियों को गिरफ्तार किया। इसमें एक नाबालिग को भी पुलिस ने निरुद्ध किया है। जानकारी के मुताबिक पूणार्डीह गांव के रहने वाले सुधीर पासवान की पत्नी को बच्चा न होने पर तांत्रिक रामाशीष रिकियासन ने तांत्रिक अनुष्ठान कर मानव बलि देने का सुझाव दिया था। रामाशीष ने कहा कि इस बलि के बाद उसे संतान की प्राप्ति हो जाएगी। पूछताछ में आरोपियों ने अपना जुर्म कुबूल कर लिया है।

अब सरकार के लिए पैसे कमाने का भी जरिया बना मौसम विभाग

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत मौसम विज्ञान विभाग यानी आईएमडी अब सिर्फ मौसम की जानकारी देने वाला विभाग नहीं रहा। ये अब सरकार के लिए पैसे कमाने का भी एक जरिया बन गया है। चेन्नई स्थित राष्ट्रीय समुद्र प्रौद्योगिकी संस्थान ने भी पिछले तीन सालों में 42 तरह की तकनीकें बनाईं। इन टेक्नोलॉजी को उद्योगों को बेचा गया जिससे 24 करोड़ रुपये से ज्यादा कमाए। आईएमडी, एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया को विमानन मौसम सेवाएं देने के अलावा, मौसम संबंधी डेटा, मौसम रिपोर्ट और उपकरणों की टेस्टिंग करके भी पैसे कमाता है। संसद की समिति को दिए गए आंकड़ों के अनुसार, 2024-25 के पहले छह महीनों में (सितंबर 2024 तक) इससे लगभग 66 करोड़ रुपये कमाए। आईएमडी ने 2022-23 से अब तक 226 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई की है। ये जानकारी पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय (एमओईएस) ने संसद की एक समिति को दी। एमओईएस ने बताया कि आईएमडी अब मंत्रालय का सबसे ज्यादा कमाई करने वाला विभाग बन गया है। आईएमडी की कमाई का बड़ा हिस्सा एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एएआई) को दी जाने वाली एविएशन मौसम सेवाओं से आता है। संसदीय समिति, जिसके अध्यक्ष भुवनेश्वर कलिता हैं, उन्होंने कहा कि अपनी सेवाओं के जरिए राजस्व उत्पन्न करने से न केवल मंत्रालय को महत्वपूर्ण कार्यक्रमों के लिए अतिरिक्त संसाधन जुटाने में मदद मिलेगी, बल्कि इन तकनीकों का फायदा बड़े पैमाने पर समाज को भी मिलेगा। भुवनेश्वर कलिता ने कहा कि इसका मतलब है कि आईएमडी की कमाई से मंत्रालय और भी बेहतर काम कर पाएगा और लोगों को भी फायदा होगा।

भ्रष्टाचार और जबरन वसूली मामले में 4 पूर्व पुलिस अफसर दोषी करार

नई दिल्ली, एजेंसी। मोहाली की स्पेशल सीबीआई कोर्ट ने मोगा सेक्स स्कैंडल मामले में पंजाब पुलिस के चार पूर्व अधिकारियों को दोषी ठहराया है। कोर्ट ने इन अधिकारियों को भ्रष्टाचार और जबरन वसूली के आरोपों में दोषी पाया। दोषी पाए गए अधिकारियों में कई बड़े नाम भी शामिल हैं। इनमें देविंदर सिंह गरचा भी हैं, जो उस समय मोगा के एसएसपी थे। एक आईपीएस अधिकारी भी हैं। दोषी पाए गए पुलिसवालों में परमदीप सिंह संधू, जो उस समय मोगा के एसपी थे वह भी दोषी पाए गए हैं। रमन कुमार जो उस समय थाना सिटी मोगा के एसएचओ थे और अमरजीत सिंह, इंस्पेक्टर, जो उस समय थाना सिटी, मोगा के एसएचओ थे भी दोषी पाए गए हैं। हालांकि, इस मामले में दो लोगों को राहत दी गई है। बरजिंदर सिंह उर्फ मक्खन और सुखराज सिंह को सभी आरोपों से बरी कर दिया है। कोर्ट ने सजा का फैसला सुरक्षित रख लिया और 4 अप्रैल को सजा सुनाई जाएगी। यह मामला सबसे पहले सीबीआई ने दर्ज किया था। पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट ने 11 दिसंबर, 2007 को आदेश दिया था। इस आदेश में हाईकोर्ट ने सीबीआई को जांच सौंपा थी। कोर्ट को डर था कि राज्य पुलिस निष्पक्ष जांच नहीं कर पाएगी। कोर्ट ने कहा था कि पुलिस पर राजनीतिक और प्रशासनिक दबाव हो सकता है। इसके बाद, सीबीआई ने एक एफआईआर दर्ज की। इस एफआईटार में अमरजीत सिंह जो उस समय पीएस सिटी-1, मोगा के एसएचओ थे और मंजीत कौर और मनप्रीत कौर नाम की दो निजी व्यक्तियों को आरोपी बनाया गया था। जांच में पता चला कि देविंदर सिंह गरचा, परमदीप सिंह संधू, अमरजीत सिंह और रमन कुमार ने बरजिंदर सिंह उर्फ मक्खन और अन्य लोगों के साथ मिलकर गैरकानूनी तरीके से पैसा कमाने की साजिश रची थी। बरजिंदर सिंह उर्फ मक्खन अकाली नेता तोता सिंह का बेटे है। उन्होंने झूठी एफआईआर दर्ज की और निर्दोष लोगों को फंसाया। फिर उनसे रिश्वत मांगी ताकि उनका नाम केस से निकाल दिया जाए। इस साजिश में मनप्रीत कौर नाम की एक महिला ने झूठे हलफनामे दिए। मनप्रीत कौर को मामले में पीड़ित और शिकायतकर्ता बताया था। मुकदमे के दौरान, मनप्रीत कौर को माफ कर दिया और उसे सरकारी गवाह बना लिया था, लेकिन बाद में, वह कोर्ट में अपने बयान से पलट गई।

एक्स से एलन मस्क को हुआ करोड़ों का नुकसान इसलिए बेच दी कंपनी

नई दिल्ली, एजेंसी। दुनिया के सबसे अमीर इंसान एलन मस्क ने अपनी सोशल मीडिया कंपनी एक्स को बेच दिया है। एक्स को एलन मस्क की ही दूसरी कंपनी एक्सएआई ने खरीद लिया है। एलन मस्क ने जब से एक्स को खरीदा है, उन्हें 94000 करोड़ रुपए का नुकसान हो चुका है। मस्क ने 2022 में ट्विटर को 44 बिलियन डॉलर में खरीदा था। मस्क ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा कि इस समझौते में एक्सएआई का वैल्यूएशन 80 बिलियन डॉलर और एक्स की वैल्यूएशन 33 बिलियन डॉलर है। उन्होंने ये भी बताया कि एक्स पर 12 बिलियन डॉलर का कर्ज भी है। इस कर्ज को मिलाकर एक्स की वैल्यूएशन 45 बिलियन डॉलर हो जाती है। इसका मतलब है कि एक्सएआई ने एक्स को खरीदने के लिए अपने शेयर दिए हैं। इस डील में मॉर्गन स्टेनली एकमात्र बैंकर था। उन्होंने दोनों पक्षों का प्रतिनिधित्व किया। एक्स की वैल्यूएशन में 70 फीसदी से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई है, लेकिन एलन मस्क की पोस्ट के मुताबिक इसकी कुल वैल्यू करीब 45 बिलियन डॉलर है। मस्क की पोस्ट के मुताबिक इस सौदे में एक्स की वैल्यूएशन 33 बिलियन डॉलर आंकी गई है। इसमें 12 बिलियन डॉलर का कर्ज भी शामिल है। मस्क ने साल 2022 में एक्स को 44 बिलियन डॉलर में खरीदा था। इसका मतलब है कि उन्हें करीब 11 बिलियन डॉलर का नुकसान हुआ है, भले ही 12 बिलियन डॉलर का कर्ज अभी बाकी है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि उन्होंने घाटे का सौदा क्यों किया? हाल ही में एक रिपोर्ट में एक्स की वैल्यूएशन में आई गिरावट के बाद सुधार की बात कही गई है। एक अन्य रिपोर्ट का हवाला देते हुए बताया गया है कि हेडिलिटी ने दिसंबर 2024 तक एक्स की वैल्यू को 72 फीसदी तक कम कर दिया था। रिपोर्ट के मुताबिक मस्क के 2022 में अधिग्रहण के बाद एक्स की वैल्यूएशन 12 बिलियन डॉलर तक गिर गई थी, लेकिन बाद में यह 44 बिलियन डॉलर तक पहुंच गई। साल 2022 में मस्क के अधिग्रहण के बाद एक्स को सबसे बड़ा झटका तब लगा जब विज्ञापनदाताओं ने इस सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को छोड़ दिया।

जम्मू कश्मीर वक्फ बोर्ड के कर्मचारी हुए खुश, वेतन और मानदेय बढ़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रदेश में वक्फ बोर्ड के कर्मचारियों के वेतन और मानदेय में बढ़ोतरी हो गई है। वक्फ में कार्यरत समेकित, मस्टर शीट और स्टाप गैप अरेंजमेंट के कर्मियों के वेतन में 400 फीसदी तक तो इमाम और खतीब समेत कई नियमित कर्मियों के वेतन में 20 फीसदी की बढ़ोतरी की गई है। इंजीनियरिंग स्टाफ का मासिक यात्रा भत्ता भी तीन हजार रुपए कर दिया गया है। बता दें जम्मू कश्मीर वक्फ बोर्ड में सालों से कार्यरत समेकित, मस्टर शीट और स्टाप गैप अरेंजमेंट के कर्मियों में से ज्यादातर को मात्र तीन हजार रुपए मासिक मानदेय मिल रहा था। संबंधित अधिकारियों ने बताया कि जम्मू कश्मीर वक्फ बोर्ड की अध्यक्ष ने बोर्ड में कार्यरत कई श्रेणियों के कर्मचारियों के वेतन में बढोतरी का आदेश दिया है। समेकित, मस्टर शीट और स्टाप गैप अरेंजमेंट के तहत नियुक्त कर्मियों को कुशल, अर्धकुशल और अकुशल कर्मचारियों की श्रेणी में बांटा गया है। इनका वेतन क्रमशः 18 हजार, 16 हजार और 15 हजार रुपए प्रति माह तय किया गया है। सूत्रों के मुताबिक यह कदम वर्तमान बोर्ड के अथक प्रयासों का परिणाम है, जिससे संगठन की आर्थिक स्थिति में सुधार हुआ है और इसका उद्देश्य कश्मीर संभाग में दशकों से कम सैलरी पर काम कर रहे एक हजार से ज्यादा कर्मचारियों के जीवन स्तर में सुधार करना है। बोर्ड के नियमित कर्मियों जिनमें इमाम और खतीब शामिल हैं, उनके अलावा पारिवारिक पेंशनधाकरों के वेतन व पेंशन में 20 फीसदी की बढ़ोत्तरी की गई है। वक्फ द्वारा संचालित बीबी हलीमा कॉलेज ऑफ नर्सिंग एंड मेडिकल टेक्नोलॉजी में टीचिंग फैकल्टी के वेतन में 15 फीसदी की बढ़ोतरी की है।

लुप्त हो रही कोसी नदी, विशेषज्ञों ने खनन और मानवजनित कारण को बताया वजह

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तराखंड में कोसी नदी को लेकर विशेषज्ञों को चिंता सताने लगी है कि अगर हालात जल्द नहीं सुधरे तो नदी लुप्त हो जाएगी। अल्मोड़ा जिले में कौसानी के धारपानी से निकलकर नगर, कस्बों और गांवों को सींचते और लोगों की प्यास बुझाने वाली कोसी नदी का अस्तित्व संकट में है। 1992 तक गर्मियों में 790 लीटर प्रति सेकंड के प्रवाह से बहने वाली कोसी नदी का बहाव अब महज 48 लीटर प्रति सेकंड रह गया है। प्रोफेसर जेएस रावत के नेतृत्व में हुए सर्वे में यह तथ्य सामने आए हैं। जलवायु परिवर्तन के अलावा नदियों में अवैज्ञानिक तरीके से खनन और अन्य मानवजनित कारण कोसी की बबार्दी का प्रमुख कारण है। कोसी नदी से उत्तर प्रदेश के भी कई शहर समृद्ध होते हैं। कुमाऊं में यह नदी सोमेश्वर, अल्मोड़ा, रामनगर होते हुए ऊधमसिंह नगर तक जाती है और उत्तर प्रदेश में रामगंगा में मिल जाती है। 1965 में भारतीय सर्वेक्षण विभाग के भूपत्र के मुताबिक कोसी का दायरा अल्मोड़ा जिले में 225.6 किलोमीटर था। उन्होंने अपनी टीम के साथ कोसी और उसकी तमाम सहायक नदियों का फील्ड सर्वे किया, जिसमें यह भयावह तस्वीर सामने आई। बीते 59 सालों में कोसी और उसकी सहायक नदियों का दायरा महज 41.5 किलोमीटर में सिमट चुका है। गर्मियों में 21 में से 20 सहायक नदियां सूख जाती हैं। प्रो. रावत के मुताबिक रिचार्ज जोनों और सहायक नदियों को नहीं बचाया गया, तो कोसी 2040 के बाद लुप्त हो सकती है।

विक्रम विश्वविद्यालय अब सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय के नाम से जाना जाएगा : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव को विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान की गई डी-लिट की मानद उपाधि

70 विद्यार्थियों को उपाधि, 99 को मेडल और 2 शोधार्थियों को डी-लिट की उपाधि प्रदान की गई

राज्यपाल श्री पटेल और मुख्यमंत्री डॉ. यादव की उपस्थिति में हुआ विक्रम विश्वविद्यालय का 29वां दीक्षांत समारोह

दीक्षांत समारोह वास्तव में सेवा के संकल्प का समारोह है : राज्यपाल

भोपाल। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की उपस्थिति में रविवार को विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन का 29वां दीक्षांत समारोह आयोजित हुआ। स्वर्ण जयंती सभागार में आयोजित समारोह में मुख्यमंत्री डॉ. यादव और हार्टफुलनेस संस्था के संस्थापक श्री कमलेश पटेल को विश्वविद्यालय द्वारा डी-लिट की मानद उपाधि प्रदान की गई। साथ ही 70 विद्यार्थियों को उपाधि, 99 को मेडल और 2 शोधार्थियों को डी-लिट उपाधि प्रदान की गई। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि विक्रम विश्वविद्यालय में आयोजित दीक्षांत समारोह में सम्मिलित होकर अत्यंत आनन्द का अनुभव हो रहा है। दीक्षान्त समारोह में अपनी उपाधियाँ प्राप्त करने वाले सभी छात्र-छात्राओं को मैं आत्मीय बधाई देता हूँ।

राज्यपाल ने सभी विद्यार्थियों के यशस्वी एवं मंगलमय भविष्य की कामना करते हुए कहा कि दीक्षांत समारोह वास्तव में सेवा के संकल्प का समारोह है। जीवन में सफलता के लिए कठोर अनुशासन की आवश्यकता होती है। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि शिक्षा, धर्म, साहित्य, संस्कृति, विज्ञान और व्यापार के क्षेत्रों में भारत के मानचित्र पर उज्जैन की अपनी विशिष्ट पहचान है। क्षिप्रा के पवित्र तट पर बसे उज्जैन नगर में विद्याध्ययन की अभिलाषा से आये श्रीकृष्ण की कथा पूरे संसार में प्रसिद्ध है। महर्षि सान्दीपनि के गुरुकुल का यह पुरातन क्षेत्र आज भी जन-जन की आस्था का केन्द्र है, जहाँ स्वयं जगद्गुरु ने शिक्षा पायी थी। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में ज्ञान-विज्ञान के अनेक नवीन क्षेत्र प्रकाश में आ रहे हैं। पारम्परिक विषयों के साथ अनेक नवीन विषयों में उच्च शिक्षा के नये आयाम विकसित हुए हैं। भारत के प्रतिभा सम्पन्न छात्र-छात्राओं ने विश्व फलक पर अपनी प्रतिभा और क्षमता का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि दीक्षित होने वाले विद्यार्थी अपने माता-पिता और गुरुजनों का आजीवन सम्मान करें। माता-पिता कई कष्टों को झेलकर अपने बच्चों का पालन-पोषण और शिक्षा-दीक्षा की व्यवस्था करते हैं। अतः जीवन में अपने माता-पिता का सदैव सम्मान करें और उनकी सेवा करें, तभी हम अपने समाज और राष्ट्र की सेवा कर सकेगें और हमारा जीवन बेहतर होगा। एक अच्छे और जिम्मेदार नागरिक बन कर हम अपने देश की प्रगति में योगदान दे सकेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज का दिन कई मायनों में हम सब के लिए अत्यन्त महत्वपूर्ण है। उज्जैन नगरी सात पवित्रतम नगरियों में से एक है। हर कल्प में इसका विशेष महत्व रहा है। आज भारतीय नव वर्ष प्रतिपदा पर हम सब हर्षोल्लास के साथ गुड़ी पड़वा और चैटी चंड पर्व मना रहे हैं। आज उज्जैन का गौरव दिवस भी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि विक्रम विश्व विद्यालय अब सम्राट विक्रमादित्य के नाम से जाना जाएगा। माधव विज्ञान महाविद्यालय के परिसर में शीघ्र ही विशाल सभागार बनाया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी को बधाई देते हुए कहा कि जिन विद्यार्थियों को उपाधि प्रदान की गई है, वे अपनी प्रतिभा का उपयोग अभीष्ट उद्देश्य की प्राप्ति के लिए करें। समाज-सेवा और राष्ट्र की सेवा करें। भविष्य कि अपार संभावनाएं आपका इंतजार कर रही हैं। हमारे शोधार्थी विश्व पटल पर अपने शहर, राज्य और देश का नाम लेकर जाएं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उज्जयिनी के गौरव दिवस और विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह की बधाई देते हुए कहा कि विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा और परिश्रम के आधार पर प्रावीण्य सूची में स्थान प्राप्तकरने के साथ अन्य उपलब्धियां अर्जित की हैं। यह उपलब्धियां विद्यार्थियों के ज्ञान और विद्या के साथ उनका उत्तरदायित्व भी बढ़ाती हैं। विद्यार्थियों के लिए भविष्य की अनेक संभावनाएं विद्यमान हैं। यही कामना है कि विद्यार्थी न केवल देश एवं प्रदेश की सेवा करें अपितु अपने कर्म और योगदान के आधार पर विक्रम विश्वविद्यालय के साथ प्रदेश और देश का नाम भी दुनिया में रोशन करें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दीक्षांत समारोह में सम्मिलित सभी विद्यार्थियों को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि विक्रम विश्वविद्यालय के इतिहास में आज का दिन विशेष महत्व का है। विश्वविद्यालय की 1956 में स्थापना से आज तक हुए दीक्षांत समारोहों में यह पहला मौका है जब राज्यपाल, मुख्यमंत्री, उच्च शिक्षा मंत्री, पद्मभूषण, सांसद, विधायक सभी एक साथ शामिल हुए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सम्राट विक्रमादित्य की शासन व्यवस्था में विद्यमान सुशासन और जन-कल्याण के कई पहलुओं की झलक वर्तमान में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा किये जा रहे शासन संचालन और जन-कल्याण की गतिविधियों में मिलती है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्वयं का उदाहरण देते हुए कहा कि जब वे विद्यार्थी थे तब विश्वविद्यालय में दीक्षांत समारोह की कोई परिपाटी नहीं थी। लंबे समय तक विश्वविद्यालयों में दीक्षांत समारोह का कोई स्थाई क्रम नहीं रहा, परिणाम स्वरूप, विश्वविद्यालय के बहुत से बैच विद्यार्थियों ने बिना दीक्षांत समारोह के सामान्य रूप से अपनी डिग्रियां प्राप्त कीं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राज्यपाल श्री पटेल द्वारा सभी विश्वविद्यालयों में अनिवार्यतः दीक्षांत समारोह आयोजित करने की व्यवस्था स्थापित करने के लिए उनकी प्रशंसा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि नव संवत्सर के अवसर पर उज्जैन में अनेक कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं। महाकाल लोक के पास सम्राट विक्रमादित्य हैरीटेज होटल का लोकापर्ण किया जाएगा। इससे बाबा महाकाल के दर्शन के लिए आने वाले सभी श्रद्धालुओं को रहने और भोजन की सुविधा उपलब्ध होगी। विगत हजारों सालों के इतिहास में भारत में जो भी वीर- महावीर हुए हैं उनके जीवन के पुरूषार्थ और प्रारब्ध के आधार पर शासन-प्रशासन में उनके द्वारा दिए गए योगदान पर केंद्रित वीर भारत संग्रहालय का भूमि-पूजन कोठी महल के साथ जोड़कर किया जाएगा, इससे हमारी समृद्ध गौरवशाली संस्कृति की पताका वर्तमान में लहराएगी और अवंतिका से संबंधित वीर पुरूषों का परिचय जन-जन को प्राप्त होगा। हर युग में अस्तित्व बनाए रखने वाली अवंतिका, भारत के सात पवित्रतम नगरों में से एक है। विक्रम विश्वविघालय के कुलगुरू आचार्य अर्पण भारद्वाज के द्वारा स्वागत भाषण दिया गया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के लिये यह हर्ष का विषय है कि चैत्र शुक्ल प्रतिपदा (गुड़ी पड़वा) की पावन तिथि पर 'सिद्धार्थी' नामक नवसंवत तद्नुसार विक्रम संवत 2082 को 29वाँ दीक्षांत समारोह आयोजित हुआ है। उन्होंने कहा कि यह भी गौरव का विषय है कि हमारे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं पद्मभूषण से अलंकृत श्री कमलेश डी. पटेल को डी-लिट की मानद उपाधि से विभूषित किया जा रहा है। विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. भारद्वाज और कुल सचिव श्री अनिल शर्मा ने राज्यपाल श्री पटेल और मुख्यमंत्री डॉ. यादव का स्वागत पुष्प-गुच्छ, शॉल, अश्वगंधा का पौधा और स्मृति चिन्ह भेंट कर किया। कार्य परिषद के सदस्यों के द्वारा अन्य अतिथियों का भी सम्मान और स्वागत किया गया। अतिथियों के द्वारा विश्वविद्यालय से प्रकाशित तीन पुस्तकों का विमोचन भी किया गया। कुलगुरु द्वारा सभी उपाधि प्राप्तकताओं को शपथ दिलाई गई। समारोह में विक्रम विश्वविद्यालय और हार्टफुलनेस संस्थान के बीच एमओयू हुआ। श्री कमलेश पटेल ने इस अवसर पर कहा कि योग की साधना करने पर पहला फल विवेक और बुद्धि के रुप में प्राप्त होता है। हम सभी को अपने नकारात्मक गुणों को समाप्त करने का प्रयास करना चाहिए। ध्यान से ही हमारी प्रगति हो सकती है। उच्च शिक्षा मंत्री श्री इंदर सिंह परमार ने कहा कि आज जिन विद्यार्थियों को दीक्षित किया जा रहा है, वे सभी अपने ज्ञान का सदुपयोग समाज और देश की सेवा में करें। एक सकारात्मक वातावरण का निर्माण करें। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश राज्य में सबसे पहले राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू की गई थी। मध्यप्रदेश शासन द्वारा निरन्तर शिक्षा नीति को और प्रभावी ढंग से क्रियान्वित किये जाने पर कार्य किया जा रहा है। कार्यक्रम का संचालन श्री वीरेंद्र चावरे ने किया और आभार प्रदर्शन कुल सचिव डॉ. अनिल शर्मा ने किया। इस अवसर पर विश्व विद्यालय के कार्य परिषद के सदस्य श्री राजेश सिंह कुशवाह, श्री रूप पमनानी, श्रीमती मंजुषा मिमरोट, श्री वरूण गुप्ता, डॉ. संजय वर्मा, श्रीमती सुषमा निगवाल एवं विभिन्न संकायों के अध्यक्ष, अतिथि अध्यापक गण, उपाधि ग्रहण करने वाले विद्यार्थी और उनके अभिभावक मौजूद थे।

युवा पीढ़ी को विक्रमोत्सव मनाए जाने की जानकारी पहुंचानी होगी : स्कूल शिक्षा मंत्री श्री सिंह

भोपाल। स्कूल शिक्षा एवं परिवहन मंत्री उदय प्रताप सिंह के मुख्य आतिथ्य में जिला मुख्यालय के देव श्री नरसिंह मंदिर परिसर नरसिंहपुर में विक्रमोत्सव 2025 के अंतर्गत कोटि सूर्य उपासना कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ कन्या पूजन व दीप प्रज्ज्वलित कर ब्रह्मध्वज वंदना के साथ किया गया। कार्यक्रम में सम्राट विक्रमादित्य नाट्य का मंचन की प्रस्तुति श्री प्रवीण नामदेव के निर्देशन में दी गई। स्कूल शिक्षा मंत्री श्री सिंह ने नव संवत्सर, विक्रम संवत-2082 और चैत्र नवरात्र की शुभकामनायें देते हुए कहा कि देश व प्रदेश में यह कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। आज सही मायने में गौरव व उत्सव का दिन है। आज का युग परिवर्तन का युग है। हमारी संस्कृति विश्व की श्रेष्ठ संस्कृतियों में से एक है। आज इस कार्यक्रम में देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी सहभागिता कर रहे हैं। मंत्री श्री सिंह ने कहा कि भारत के विश्व गुरू बनने की संकल्पना साकार होने वाली है। आदि शंकराचार्य से लेकर हमारे धर्मगुरू इसे स्थापित करने में जुटे हैं। आज पूरे प्रदेश में धार्मिक आयोजन हो रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विक्रम संवत को प्रदेश में धूमधाम से मनाने का निर्णय लिया है। मंत्री श्री सिंह ने कहा कि पूर्वजों को स्मरण व श्रद्धासुमन अर्पित करने का अवसर है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 30 मार्च से 30 जून 2025 तक प्रदेश में जल गंगा संवर्धन अभियान चलाने का निर्णय लिया है। जल संरक्षण की दिशा में यह कार्य जनसहयोग के द्वारा ही संभव हो सकता है। गाडरवारा शहर में भी तालाब का निर्माण किया जा रहा है जिससे शहर की सुंदरता और बढ़ जाएगी। यहाँ पर बैडमिंटन कोर्ट,जिम,टॉय ट्रेन,वाटर फाउंटेन,पाथ वे और भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा लगायी जाएगी। मंत्री श्री सिंह ने बताया कि एक अप्रैल से विद्यालयों में प्रवेशोत्सव कार्यक्रम पूरे प्रदेश में किया जाएगा। उन्होंने जन प्रतिनिधियों से आहवान किया है कि अपने-अपने क्षेत्र के स्कूलों में पहुंचकर विद्यार्थियों को प्रवेश दिलाये। हाल ही में कक्षा पाँचवी एवं कक्षा आठवीं की परीक्षा का परिणाम आया है, जिसमें नरसिंहपुर ज़िले ने अव्वल रैंक हासिल की है। हमारे प्रदेश के जनजातीय जिला डिंडोरी ने भी शिक्षा के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित किए हैं। कार्यक्रम में कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले ने सभी को नववर्ष की बधाई दी। कलेक्टर ने बताया ज़िले में अगले तीन महीने में लगभग 700 खेत-तालाब बनाने का लक्ष्य रखा गया है। हमारे ज़िले के किसान जिनके पास अधिक भूमि है वह खेत तालाब बनाने के नवाचार को अपना सकते हैं। यह सतही जल और भूजल के जलस्तर में वृद्धि के साथ किसानों को उनकी फसलों में सिंचाई, मत्स्यपालन, सिंघाड़ा उत्पादन आदि के माध्यम से अतिरिक्त आय अर्जन का लाभ प्रदान करेगा। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती ज्योति नीलेश काकोड़िया एवं स्थानीय जन-प्रतिनिधि मौजूद थे।

राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने प्रदेशवासियों को दी ईद-उल-फितर की शुभकामनाएं

भोपाल। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने प्रदेशवासियों को ईद-उल-फितर की शुभकामनाएं दी है। उन्होंने कहा है कि ईद का पर्व अमन, एकता और खुशियों का त्योहार है। परस्पर भाई चारे और खुशियों को बांटने का उत्सव है। राज्यपाल श्री पटेल ने अपने संदेश में कहा है कि रमजान का मुबारक महीना अमन-शांति का संदेश देता है। ईद का पर्व आपसी भेदभाव को समाप्त कर सभी इंसानों को जोड़ता है। यह सभी के प्रति दया, करुणा, आत्मीयता, मानवता और इंसानियत का संदेश भी देता है। राज्यपाल ने प्रदेशवासियों से ईद के पर्व को साम्प्रदायिक सौहार्द्र की मजबूत गरिमामय परंपरा के साथ मनाने की अपील की है।

उज्जैन सहित प्रदेश के अन्य धार्मिक नगरों में 1 अप्रैल से की जा रही है शराबबंदी

पथ सही होने पर शपथ होती है सफल: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव जैन समाज के शपथ अनुष्ठान पर्व में शामिल हुए

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि विक्रम संवत चैत्र प्रतिपदा नववर्ष पर पावन पुनीत अवंतिका में देश भर से शपथ अनुष्ठान पर्व में पधारे सभी अतिथियों का स्वागत है। उज्जैन में भगवान श्री महावीर स्वामी ने तपस्या की है। तपस्या का पथ सही होने पर शपथ सफल होती है। मानव जीवन संक्षिप्त समय का है, इसलिए जितना भी समय है, उसे हम परमार्थ के कार्य और सभी जीवों की सेवा में लगाना चाहिए। परमार्थ के कार्य कर मानव महापुरुष हो जाता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को उज्जैन में जैन समाज के शपथ अनुष्ठान पर्व में शामिल हुए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारी सरकार विकास के कार्य सांस्कृतिक समन्वय से कर रही है। इसी क्रम में उज्जयिनी और प्रदेश के अन्य धार्मिक नगरों में 1 अप्रैल से शराबबंदी की जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्ज्वलित कर की। कार्यक्रम में आयोजनकताओं ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव को उज्जैन का नाम संपूर्ण देश-प्रदेश में गौरवान्वित करने पर नागरिक अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर सांसद श्री अनिल फिरोजिया, विधायक श्री अनिल जैन कालूहेड़ा, श्री देवेंद्र काशल, श्री अश्विन कोशलीवाल, श्री सचिन कासलीवाल सहित जैन समाज के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

रेप केस दर्ज होने के बाद राजीनामा करने का दबाव बनाया; भोपाल में हुई थी पहचान

महिला आरक्षक को लेफ्टिनेंट कर्नल पर धमकाने का आरोप

भोपाल। भोपाल की महिला आरक्षक के साथ सेना के जिस लेफ्टिनेंट कर्नल ने रेप किया, अब वह एफआईआर दर्ज होने के बाद राजीनामा का दबाव बना रहा है। इसकी शिकायत पीड़िता ने कमला नगर थाने में की है। पुलिस ने शिकायत आवेदन को रिसीव कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पीड़िता का दावा है कि शिकायत से जुड़ी वॉट्सऐप चैट भी उन्होंने पुलिस को सौंप दी है। शिकायत के दौरान पुलिस को पीड़िता ने बताया था कि दोनों के बीच पिछले 13 सालों से संबंध थे। आरोपी ने शादी का झांसा देकर पीड़िता के साथ कई बार ज्यादती की। अब आरोपी शादी की बात से मुकर गया है। पीड़िता ने जब शादी न करने की वजह की पड़ताल की तो आरोपी द्वारा पहले से शादीशुदा होने की जानकारी मिली।बता दें कि गुरुवार को पीड़िता ने महिला थाने में आरोपी के खिलाफ रेप का केस दर्ज कराया था।

एएससी बटालियन हल्द्वानी उत्तराखंड में पदस्थ है आरोपी

पुलिस के मुताबिक महिला थाने पहुंची पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी वरुण प्रताप सिंह के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। आरोपी सेना में ?लेफ्टिनेंट कर्नल बताया गया है और वर्तमान में एएससी बटालियन हल्द्वानी उत्तराखंड में पदस्थ है।

एसीपी महिला सुरक्षा निधि सक्सेना ने बताया

आरोपी अफसर की यूनिट को मामले की जानकारी दे दी गई है। पत्राचार के बाद पुलिस जल्द ही आरोपी अफसर को भोपाल लेकर आएगी। बताया जा रहा पीड़िता पुलिस कर्मी एक जांच एजेंसी में पदस्थ है। महिला पुलिसकर्मी की मुलाकात 2012 में अफसर से हुई थी। उस समय वह भोपाल में पदस्थ था और मेजर रैंक पर था।

आर्मी कैंटीन से खरीददारी के दौरान हुई मुलाकात

शाहजहांनाबाद आर्मी कैंटीन में सामान लेने गई पीड़िता की मुलाकात आरोपी अफसर वरुण प्रताप से हुई थी। इसके बाद दोनों के बीच बातचीत शुरू हो गई। वरुण ने खुद को कुंवारा बताकर शादी का प्रस्ताव रखा। 25 दिसंबर 2012 को वरुण ने सरकारी बंगले पर महिला पुलिसकर्मी को बुलाया और यहां उससे शारीरिक संबंध बनाए। उसके बाद कई बार उससे गलत काम किया।

मां-पिता की तबीयत का हवाला देकर टालता था

शादी के नाम पर आरोपी मां-पिता की तबीयत खराब होने का बहाना बनाकर बात टालता रहा। जब पीड़िता ने शिकायत दर्ज कराने की बात कही तो आरोपी ने धमकाया मेरी शिकायत की तो मार डालूंगा, लटका दूंगा। महिला आरक्षक ने लेफ्टिनेंट कर्नल पर लगाए रेप के आरोप:भोपाल में शादी का झांसा देकर 13 साल तक संबंध बनाए, अब इनकार किया भोपाल की महिला आरक्षक के साथ सेना के लेफ्टिनेंट कर्नल ने

रेप किया। दोनों के बीच पिछले 13 सालों से संबंध थे। आरोपी ने शादी का झांसा देकर पीड़िता के साथ कई बार ज्यादती की। अब आरोपी शादी की बात से मुकर गया है। पीड़िता ने जब शादी न करने की वजह की पड़ताल की तो आरोपी द्वारा पहले से शादीशुदा होने की जानकारी मिली। पीड़िता ने गुरुवार रात थाने पहुंचकर एफआईआर दर्ज कराई है। पुलिस के मुताबिक महिला थाने पहुंची पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी वरुण प्रताप सिंह के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। आरोपी सेना में लेफ्टिनेंट कर्नल बताया गया है और वर्तमान में एएससी बटालियन हल्द्वानी उत्तराखंड में पदस्थ है।

मिशन लाइफ के लिये ईको क्लब का गठन

भोपाल। प्रदेश में स्कूलों में विद्यार्थियों को पर्यावरण संबंधी गतिविधियों, जलवायु परिवर्तन और अन्य पर्यावरणीय मुद्दों के प्रति संवेदनशील और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार बनाने के लिये लोक शिक्षण संचालनालय ने स्कूलों में ईको क्लब गठित किये जाने का निर्देश दिये है। इसके लिये समस्त जिला शिक्षा अधिकारियों को पत्र लिखा गया है। पत्र में निर्देश दिये गये है कि मिशन लाइफ के लिये स्कूलों में ईको क्लब का गठन किया जाये। पर्यावरण संरक्षण पर केन्द्रित आयोजन किये जायें। इन आयोजनों में विद्यार्थियों की उपस्थिति सुनिश्चित की जाये। मिशन लाईफ के अंतर्गत एनसीईआरटी द्वारा एनआईसीटीई के साथ प्रौद्योगिकी पार्टनर के रूप में एक पोर्टल बनाया गया है। पोर्टल में ईको क्लब की सहायता के लिये मैन्यूअल और डेमो वीडियो तैयार किये गये है। जिला शिक्षा अधिकारियों को अपने क्षेत्र की शालाओं में मिशन लाईफ पोर्टल के उपयोग करने के लिये कहा गया है। लोक शिक्षण संचालनालय ने प्रदेश की शालाओं में प्रदूषण के दुष्परिणामों से विद्यार्थियों को जागरूक करने के लिये विशेष अभियान चलाने के लिये कहा है। अभियान में रबी की फसल के बाद पराली जलाने से पर्यावरण, मानव स्वास्थ्य एवं कृषि उत्पादन पर विपरित प्रभाव पड़ने की जानकारी विद्यार्थियों को देने के लिये कहा गया है। संचालनालय ने कहा है कि विद्यार्थियों को बताया जाये कि पराली जलाने से कार्बन डाइऑक्साइड, कार्बन मोनोऑक्साइड, मीथेन और अन्य हानिकारक गैसें निकलती है, जिससे वायु प्रदूषण बढ़ता और मिट्टी में मौजूद कार्बनिक पदार्थ और सूक्ष्म जीव नष्ट होते है। इससे मिट्टी की उर्वरकता भी कम होती है।

देश की प्रेरणास्पद महिलाओ के नाम रहेगा एक दिन : पीएम मोदी

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'मन की बात' के 120 वें संस्करण को जबलपुर महानगर के सभी 967 बूथों में सुना गया। भारतीय जनता पार्टी द्वारा सभी बूथों में मन की बात सुनने का आग्रह किया गया था और स्थानीय भाजपा कार्यकताओं ने अपने अपने बूथों में क्षेत्रीय जनों के साथ कार्यक्रम को सुना। लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने उत्तर विधानसभा में, नगर अध्यक्ष रत्नेश सोनकर एवं अभिलाष पांडे ने भी अग्रसेन वार्ड में शामिल हुए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को मन की बात कार्यक्रम की 120 वीं कड़ी में देशवासियों को संबोधित किया. इस दौरान उन्होंने चैत्र नवरात्र, भारतीय नववर्ष और विभिन्न त्योहारों की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भारत की विविधता में एकता ही हमारी ताकत है। लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने उत्तर विधानसभा के दीनदयाल मंडल के भवानी प्रसाद तिवारी वार्ड के बूथ क्र 206 में स्थानीय कार्यकर्ताओ के साथ मन की बात को सुना। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष सपन यादव, एड सचिन जैन, शिरीष सिंघई, अनूप शुक्ला आदि कार्यकर्ता उपस्थित थे। भाजपा नगर अध्यक्ष रत्नेश सोनकर एवं विधायक अभिलाष पांडे ने उत्तर विधानसभा के चंद्रशेखर आजाद मंडल के अग्रसेन वार्ड के बूथ क्र 93 में कार्यकर्ताओ और क्षेत्रीय जनों के साथ मन की बात सुनी। इस अवसर पर महामंत्री पंकज दुबे, पार्षद कमलेश अग्रवाल, मंडल अध्यक्ष पुष्पराज पांडे के साथ बूथ अध्यक्ष, कार्यकर्ता उपस्थित थे नगर अध्यक्ष रत्नेश सोनकर ने बताया हमारे प्रधानमंत्री जी माह के अंतिम रविवार को देश की जनता को मन की बात के रेडियो कार्यक्रम के माध्यम से संबोधित कर तात्कालिक विषयो, परिस्थितियों और सम सामयिक घटनाओं के संदर्भ पर चर्चा करते है और अपने विचारो से मार्गदर्शित करते है। भाजपा के तय कार्यक्रमों में इस महत्पूर्ण कार्यक्रम को भी बूथ स्तर पर सुना जाता है जिसमे हमारे कार्यकर्ता स्थानीय लोगो के साथ मिलकर मन की बात सुनते है। उन्होंने कहा इस बार भी प्रधानमंत्री जी ने प्रेरणाप्रद मार्गदर्शन देते हुए महत्वपूर्ण विषयों पर अपने विचार रखे जिसे हम सभी ने सुना।

बच्चो को रचनात्मकता को निखारे

प्रधानमंत्री ने गर्मियों की छुट्टियों के दौरान बच्चों की रचनात्मकता को निखारने पर बल दिया. साथ ही उन्होंने खेलो इंडिया पैरा गेम्स के विजेता खिलाड़ियों को बधाई दी और उनकी प्रतिभा और संघर्ष की सराहना की।

रिसाइकलिंग को बढ़ावा देने की अपील

अपनी हालिया मॉरीशस यात्रा का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री श्री मोदी ने वहां भारतीय संस्कृति के संरक्षण और प्रचार-प्रसार की बात कही. उन्होंने रीसाइक्लिंग को बढ़ावा देने की अपील करते हुए अनुपयोगी वस्तुओं से नए उत्पाद बनाने को पर्यावरण हितैषी पहल बताया।

योग को बनाए जीवन शैली का हिस्सा

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का उल्लेख करते हुए योग को जीवनशैली का हिस्सा बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि योग भारत की ओर से विश्व को एक अमूल्य उपहार है, जो आने वाली पीढ़ियों के लिए बेहद लाभदायक साबित होगा. उन्होंने यह भी कहा कि आयुर्वेद दुनियाभर में तेजी से लोकप्रिय हो रहा है।

इन्होंने सुनी मन की बात

भाजपा द्वारा महानगर के बूथों के आयोजित कार्यक्रम में नगर अध्यक्ष रत्नेश सोनकर के साथ डॉ जितेंद्र जामदार, मंडल प्रभारी महामंत्री पंकज दुबे, रजनीश यादव, अभय सिंह ठाकुर, जय सचदेवा, अंजु भार्गव, तृष्णा चटर्जी, रंजीत पटेल, प्रणीत वर्मा, प्रशांत केसरवानी, श्रीकान्त साहू, रवि शर्मा, शरद ताम्रकार, सिद्धार्थ शुक्ला, मंडल अध्यक्ष संतोष यादव, प्रणय गुप्ता, प्रशांत दुबे, शैलेंद्र विश्वकर्मा, नरेश पटेल, राहुल रजक, पुष्पराज पांडे, सपन यादव, योगेश बिलोहा, जागृति शुक्ला, गुड्डा केवट, पुष्पराज सेंगर, सौरभ गोयल, योगेश लोखंडे, अमित राय, ऋषि सोनकर, अकील अहमद के साथ बूथ अध्यक्ष, शक्ति केंद्र संयोजक, पार्षद आदि शामिल हुए।

मन की बात के प्रमुख बिंदु

प्रधानमंत्री ने जल संरक्षण पर दिया जोर

प्रधानमंत्री मोदी ने गर्मी के मौसम में जल संरक्षण पर जोर देते हुए जल संचय जन-भागीदारी अभियान से अधिक से अधिक लोगों को जुड़ने का आह्वान किया. उन्होंने कहा कि देश के विभिन्न हिस्सों में वाटर रीचार्ज स्ट्रक्चर के माध्यम से किए जा रहे प्रयास सराहनीय हैं और आमजन को भी इसमें योगदान देना चाहिए।

महाराणा सांगा पर अपमानजनक टिप्पणी करने वाले सांसद की सदस्यता रद्द जाए

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

पृथ्वीराज चै'हान फाउन्डेशन जबलपुर ने राष्ट्रपति श्रीमती द्रोपदी मुर्मु एवं उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के नाम जबलपुर संभागायुक्त अभय वर्मा एवं जबलपुर कलेक्टर दीपक कुमार सक्सेना को ज्ञापन सौंपकर राष्ट्रनायक महाराणा स'गा पर अपमानजनक टिप्पणी करने वाले समाजवादी पार्टी के राज्यसभा सांसद रामलाल सुमन की सदस्यता रद्द करने की माँग।

जबलपुर/भोपाल - पृथ्वीराज चै'हान फाउन्डेशन जबलपुर के संस्थापक ठा॰ दीपक सिंह राजपूत ने प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए बताया कि देश की रक्षा के लिए अपने प्राणों का महान बलिदान देने वाले अमरवीर महाराणा सांगा का नाम देश के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में अंकित है, सम्राट पृथ्वीराज चै'हान, श्री गुरू गोबिंद सिंह महाराज जी, राष्ट्र वीर महाराणा प्रताप, वीर क्षत्रपति शिवाजी, महाराजा सांगा जी, वीर महाराणा सांगा ऐसे महान व्यक्तित्व है जिनसे आज पूरा विश्व एवं समस्त भारत देश प्रेरणा प्राप्त कर रहा है। लेकिन पिछले दिनों देश की संसद में माननीय उप सभापति की मौजूदगी में समाजवादी पार्टी के राज्यसभा सांसद रामलाल सुमन द्वारा राष्ट्रनायक महाराणा सांगा पर अपमानजनक टिप्पणी की गई जिसके कारण पूरे देश में रोष व्याप्त है, रामलाल सुमन द्वारा राष्ट्रवीर महाराणा सांगा पर बाबर को बुलाने एवं उनके वंशजों को राज्यसभा के सभागार में देशद्रोही कहकर अपमानित करने का घृणित कृत्य किया गया है, जिसकी पृथ्वीराज चै'हान फाउन्डेशन जबलपुर घोर निंदा करता है एवं महामहीम राष्ट्रपति श्रीमति

द्रोपदि मुर्मु एवं उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ के नाम संभागायुक्त श्री अभय वर्मा एवं जबलपुर कलेक्टर श्री दीपक कुमार सक्सेना को ज्ञापन सौंपकर राष्ट्रनायक महाराणा सांगा पर अपमानजनक टिप्पणी करने वाले समाजवादी पार्टी के राज्यसभा सांसद रामलाल सुमन की सदस्यता रद्द करने की माँग की। ज्ञापन सौंपते समय पृथ्वीराज चै'हान फाउन्डेशन जबलपुर के संस्थापक ठा॰ दीपक सिंह राजपूत, अध्यक्ष श्रीमती कमला चै'हान, श्रीमती सरला राजपूत, श्रीमती अनुराधा सिंह राजपूत, अनुज सिंह ठाकुर, एड॰ धीरज सिंह ठाकुर, एड॰ अनुराग सिंह ठाकुर, रामसिंह दिखित, एड॰ अभिषेक सिंह चंदेल, पूनम सिंह, श्रीमती आरती सिंह, चिंटू राजपूत, अशोक सिंह जादौन, एड॰ नितिन करन, एड॰ अखिलेश सिंह, अभिषेक ठाकुर, सतीष सिंह, राजेश सिंह, जी.एस. राजपूत, सहित अनेंक समाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पांच प्याऊ का एक साथ उद्घाटन

नए वर्ष शोभायात्रा का पुष्प वर्षा से स्वागत

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

जबलपुर प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी जमुना प्रसाद अग्रवाल एडवोकेट ट्रस्ट के अध्यक्ष शरद अग्रवाल के द्वारा लगातार सन 1984 से पांच प्याऊ चलते हुए राहगीरों के लिए शुद्ध पानी पीने की व्यवस्था की जा रही है 1.बड़े फुहारा में 2. जमुना प्रसाद चौक गोल बाजार में 3.रानीताल से मदन महल रोड पर 4.बलदेव बाग चौक पर 5.दमोह नाका बधाइयां मोहल्ला रोड पर विधि विधान पूजन अर्चन से प्रारंभ किए गए नव वर्ष शोभा यात्रा का बड़े फुहारा में स्वागत किया गया 7 अप्रैल तक प्रतिदिन सुबह 9:00 बजे से रात 9:00 तक

जड़ी बूटियां की हवन सामग्री सरयू मैया का जल का वितरण आज से प्रारंभ हो गया इस अवसर पर नर्मदा में महा आरती संस्थापक डॉ सुधीर अग्रवाल , एडवोकेट सचिन अग्रवाल , अशोक पोद्दार , संस्कार आदि उपस्थित थे।

जय श्रीराम के जयघोष के साथ की हिन्दू राष्ट्र बनाने की मांग

भगवा ध्वज मंगल कलश शोभयात्रा के माध्यम से किया हिन्दू नर्व वर्ष का स्वागत

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

नारायणी सेना जाबालिपुरम के तत्वावधान में सनातन हिंदू नव वर्ष चैत्र प्रतिपदा विक्रम संवत 2082 नव संवत्सर और चैत्र नवरात्रि के शुभ आगमन पर रविवार को पूज्य भगवा ध्वज मंगल कलश शोभयात्रा का आयोजन किया गया। यह शोभायात्रा दमोहनाका हितकारिणी स्कूल, मिलौनीगंज, कोतवाली, बड़ा फुहारा, अंधेरदेव, तुलाराम चौक, करमचंद चौक, मालवीय चौक होते हुए पुनः बड़ा फु हारा पहुंची। इस मौके पर सभी ने भगवा रंग की पगड़ी (साफा) पहनकर शोभायात्रा का आकर्षक बनाया। कार्यक्रम के दौरान हिन्दू राष्ट्र बनाए जाने की भी मांग की गई। चैत्र नवरात्र के अवसर पर हिन्दू नववर्ष का स्वागत बड़े ही हर्षोल्लास के साथ नारायणी सेना जाबालिपुरम के द्वारा किया गया। इस दौरान भव्य भगवाध्वज, मंगलकलश शोभायात्रा निकाली गई। यहां पर भव्य शोभायात्रा का जय श्रीराम के जयघोष और शानदार आतिशबाजी के साथ शोभायात्रा का समापन हुआ। भव्य शोभायात्रा संतों की अगुवाई में निकाली गई। जिसमें प्रमुख रूप से स्वामी राघवदेवाचार्य, नारायणी सेना जालाबापुरिम प्रमुख सीताराम सेन आदि रहे।

नारायणी सेना जाबालिपुरम ने किया आयोजन

शोभायात्रा के माध्यम से दिया संदेश:-

इस संबंध में नारायणी सेना जाबालिपुरम के प्रमुख सीताराम सेन ने बताया कि हर वर्ष चैत्र नवरात्र के पावन अवसर पर हिन्दू नववर्ष का स्वागत करने भव्य शोभायात्रा निकाली गई, इस दौरान स्वच्छ भारत, स्वस्थ भारत, नशामुक्त भारत, शक्तिशाली भारत का संदेश दिया गया। वहीं इस बार बटोगे तो कटोगे, एक रहोगे तो नेक रहोगे का भी संदेश दिया गया।

झांकियां रहीं शामिल:-

भागवाध्वज, मंगलकलश शोभायात्रा के दौरान श्रीराम मंदिर की झांकी, दुर्गा माता की प्रतिमा, शंकर भगवान की प्रतिमा, गणेश भगवान की प्रतिमाएं सहित जीवंत झांकियां भी शामिल रहीं। शोभायात्रा में शामिल बैण्ड, ढोल, धमाल और कांसों के माध्यम से नववर्ष का स्वागत किया। जिसमें श्रीराम जी के भजन व हनुमान जी और माता के भजनों की शानदार प्रस्तुति ने सभी के मन को मोहा। वहीं दुलदुल घोडी सहित भगवा ध्वज और भगवा वस्त्र शोभायात्रा में आकर्षण का प्रमुख केन्द्र रहे।

शोभायात्रा का जगह-जगह हुआ स्वागत:-

मंगलकलश शोभायात्रा का विभिन्न धार्मिक, सामाजिक व व्यापारिक संगठनों के द्वारा जगह-जगह स्वागत किया। जिन्होंने पुष्पवर्षा कर हिन्दू नववर्ष की बधाईयां देते हुए धमार्लंबियों का स्वागत किया। आयोजन के द्वारा सभी धमार्लंबियों ने भगवान वस्त्र धारण कर शोभायात्रा की गरिमा बढ़ाई।

सिंधी समाज में दिखता है सनातनी संस्कृति का एकत्रित और साकार स्वरूप : राकेश सिंह

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

सनातनी संस्कृति का एकत्रित और साकार रूप यदि कहीं देखना है तो सिंधी समाज को देख लेना पर्याप्त है। अपनी जड़ों से जुड़कर और अपने प्राचीन गौरव को साथ लेकर नई पीढ़ी को उसका अहसास कराते हुए आगे बढ़ना सिंधी समाज की ताकत है। सिंधी समाज ने अपनी लगन और परिश्रम के बल पर न केवल जबलपुर बल्कि प्रदेश, देश एवं दुनिया में मान और सम्मान अर्जित किया है। ये उदगार प्रदेश के लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने आज सिंधी समाज द्वारा छोटी लाइन फाटक स्थित समन्वय सेवा केंद्र में चेट्रीचंड्र पर्व पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुये व्यक्त किये। लोक निर्माण मंत्री सिंह ने कार्यक्रम में बड़ी संख्या में मौजूद सिंधी समाज के नागरिकों को भगवान झूलेलाल जी की जयंती तथा भारतीय नववर्ष की शुरूआत पर बधाई और शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि भगवान झूलेलाल ने सनातनी समाज को जो राह दिखाई है वह प्रेरणा दायक है और हजारों वर्ष तक आने वाली पीढ़ी का पथ प्रदर्शन करती रहेगी। सिंह ने कहा कि भगवान झूलेलाल के जन्मोत्सव के साथ आज भारतीय नववर्ष की शुरूआत भी है। यह हमारा सौभाग्य है कि एक ओर आज के दिन हम भगवान सूर्य की उपासना कर रहे हैं तो भगवान झूलेलाल को नमन भी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि दुनिया में भारतीय संस्कृति ही एक मात्र ऐसी संस्कृति है जहाँ हमारी पूजा पद्धति के पीछे वैज्ञानिक आधार और कारण हैं। हम भगवान सूर्य की उपासना करते हैं तो यह प्रकृति के साथ सामंजस्य बनाना है। इसी तरह हम भगवान झूलेलाल को नमन करते हैं तो यह एक तरह से जल देवता का स्मरण करना है। लोक निर्माण मंत्री ने कहा कि हम वो लोग हैं जो पेड़ पौधों में भी भगवान का स्वरूप देखते हैं। हर जीव में, पशु-पक्षियों में और कण-कण में परमात्मा का अनुभव करने वाली अगर कोई संस्कृति है तो सनातनी हिन्दू संस्कृति है। इस संस्कृति का एकत्रित और साकार स्वरूप कहीं देखना हो तो सिंधी समाज को देख लेना पर्याप्त है। सिंह ने कहा कि उन्होंसने सिंधी समाज के साथ लंबा समय बिताया है और सिंधी समाज की संस्कृति की जड़ों से नजदीक से जुड़े रहने का अवसर भी उन्हें मिला है। सिंह ने कहा कि न केवल धार्मिक कार्यों में बल्कि परोपकार के कार्यों में भी सिंधी समाज की महत्वपूर्ण और अहम भूमिका रही है। लोक निर्माण मंत्री ने भगवान झूलेलाल से सिंधी समाज की दिन दोगुनी- रात चौगुनी प्रगति की कामना करते हुये कहा कि सिंधी समाज की प्रगति का मतलब है वृहद समाज की प्रगति का मार्ग प्रशस्त होना। लोक निर्माण मंत्री ने इस अवसर पर गौरीघाट में माँ नर्मदा के तट को अयोध्या में सरयू के तट की तर्ज पर विकसित करने की योजना की जानकारी भी दी। उन्होंने बताया कि इसकी डीपीआर तैयार हो रही है और यह सब भगवान झूलेलाल के आशीर्वाद से यह संभव हो पा रहा है। चेट्रीचंड्र महोत्सव के इस कार्यक्रम में सिंधी समाज द्वारा लोक निर्माण मंत्री का शाल ओढ़ाकर सम्मान किया गया। इस अवसर पर समाज के प्रतिभाशाली बच्चों को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में समाज के अध्यक्ष भठिजा, डॉ के सी देवानी, मुकेश खत्री, सोनू बचवानी एवं समाज के अन्य पदाधिकारी भी मौजूद थे।

नव वर्ष अभिवादन हेतु भगवा ध्वज का वितरण किया गया

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

सनातन परंपरा का निर्वहन करते हुए मां सीता प्रसाद रोटी ग्रुप द्वारा भारतीय हिंदू नव वर्ष का अभिवादन तिलक बंधन के साथ आज भागवत ध्वज का वितरण किया गया विजय यादव ने बताया कि भारतीय हिंदू नव वर्ष 30 मार्च से प्रारंभ होने वाला है मां सीता प्रसाद रोटी ग्रुप द्वारा भारतीय हिंदू नव वर्ष का अभिवादन किया जाएगा छोटे बच्चों को *हिंदू नव वर्ष एवं अंग्रेजी कैलेंडर का वैदिक अंतर बताया जाएगा ताकि युवा पीढ़ी सनातन परंपरा के इस नव वर्ष को समझ सके साथ ग्रुप द्वारा घरों के छत में नव वर्ष अभिवादन हेतु भगवा ध्वज लगाने हेतु वितरित आज 29 मार्च को किए गए इसी श्रृंखला में 30 मार्च से भारतीय नव वर्ष चैत्र नवरात्रि गुड़ी पड़वा श्री राम जन्मोत्सव साइ जन्मउत्सव तक मां सीता प्रसाद रोटी ग्रुप द्वारा फलाहारी भोजन प्रसाद का वितरण जरूरतमंद व्यक्तियों को किया जाएगा।

करदाताओं के पास बकाया करों की राशि जमा करने आज अंतिम दिन निगमायुक्त-प्रीति यादव

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

वर्तमान वित्तीय वर्ष में राजस्व के लक्ष्य की प्राप्ति के लिए नगर निगम द्वारा राजस्व वसूली अभियान चलाया जा रहा है, जिसके अंतर्गत करदाताओं से सम्पत्तिकर, जलकर, के साथ-साथ डोर टू डोर कचरा कलेक्शन शुल्क जमा कराया जा रहा हैं। निगमायुक्त श्रीमती प्रीति यादव ने बताया कि करदाताओं के पास बकाया करों की राशि जमा करने अब आज अंतिम दिन शेष है,आज 31 मार्च के बाद अब 1 अप्रैल से करों की राशि दो गुना कर दी जायेगी जो आगामी वित्तीय वर्ष में आने वाली लोक लदालत में भी छूट नहीं मिलेगी। निगमायुक्त श्रीमती प्रीति यादव ने करदाताओं से अपील की है कि 31 मार्च के तक अपनी करों की राशि जमा कर नगर निगम की अप्रिय कार्यवाही से बचें तथा निगम विकास में सहयोग प्रदान करें। उन्होंने कहा कि 1 अप्रैल से राशि दो गुना हो जायेगी जिसमें आने वाली लोक अदालत में भी राहत नहीं मिलेगी।

धूमधाम से मनाया गया विश्वकर्मा प्रगति संघ जबलपुर का होली मिलन समारोह

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

रंगोत्सव के समापन के बाद भी शहरवासियों पर होली का खुमार चढ़ा है। जगह जगह होली मिलन समारोह का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में पुराना कंचनपुर में विश्वकर्मा प्रगति संघ के द्वारा होली मिलन कार्यक्रम का आयोजित किया गया। जिसमे सांस्कृतिक और लोक संस्कृति को प्रदर्शित करने वाले कार्यक्रमों का समावेश रहा, कार्यक्रम के शुरू होने के पहले, मुख्य अतिथि विधायक अशोक रोहाणी ने भगवान श्री विश्वकर्मा के चित्र पर माल्यार्पण किया, इस दौरान रीना ऋषि यादव (पार्षद), बलिराम विश्वकर्मा, नरेंद्र विश्वकर्मा, रामसेवक विश्वकर्मा सहित बड़ी संख्या में विश्वकर्मा समाज के लोग उपस्थित रहे, कार्यक्रम में कवित्री प्रभा विश्वकर्मा और उनकी टीम द्वारा एक से बढ़कर एक कविताओं की प्रस्तुति दी गई, जिसे सुन सभी समाज के लोग मंत्र मुग्ध हो गए, विश्वकर्मा समाज के सदस्यों ने बताया की हर वर्ष परंपरा अनुसार होली मिलन समारोह का आयोजन किया जाता है इसका उद्देश्य समाज के लोगों को एकत्रित करना और त्योहारों की खुशियां साझा करना है, विश्वकर्मा समाज के लोगों ने एक दूसरे को रंग लगाकर होली पर्व की शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर विश्वकर्मा महा संगठन के रविंद्र विश्वकर्मा, एडवोकेट ओपी विश्वकर्मा, बंटी विश्वकर्मा, शरद विश्वकर्मा , कैलाशपुरी विश्वकर्मा समाज से राम राज विश्वकर्मा, विश्वकर्मा प्रगति संघ के पदाधिकारी डॉ. जीपी शर्मा, दुर्गेश विश्वकर्मा, रितेश झा, राजकुमार विश्वकर्मा, अजय विश्वकर्मा, डॉ.मदन विश्वकर्मा, केदार विश्वकर्मा, भूपेंद्र विश्वकर्मा, ललित विश्वकर्मा, महेश विश्वकर्मा, राजू विश्वकर्मा सहित अन्य पदाधिकारी भी उपस्थित रहे।

हिन्दू एकता के लिए आज निकलेगी विशाल गदा यात्रा

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

हिन्दू सेवा परिषद् द्वारा स्थापना दिवस एवं हिंदू नव वर्ष के अवसर पर श्री हनुमान मंदिर नौद्रा ब्रिज से आज दोपहर 12:00 बजे ऐतिहासिक गदा यात्रा का आयोजन किया गया है। जिसमें जगद्गुरु राघव देवाचार्य महाराज जी एवं डॉ स्वामी मुकुंददास महाराज एवं संस्कारधानी के समस्त संत जनों की अगवाही में यह विशाल गदा यात्रा को भगवा ध्वज दिखाकर प्रारंभ किया जावेगा।जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में परम-पूज्य स्वामी दीपंकर महाराज (सहारनपुर)आनंद जब एवं आनंद जाखोटिया (हिंदू जन जागृति)मुख्य रूप से शामिल होंगे।

संपादकीय

खाकी पर अपराधियों का रौब, जगह-जगह पिट रही है पुलिस

रकार को सोचना होगा, पुलिस बल का प्रभाव आम जनता के बीच में कम क्यों होता जा रहा है। आम जनता पुलिस के ऊपर हमले क्यों कर रही है। जिस पुलिस के डर और भय से लोग स्वयं नियंत्रित हो जाते थे, अब वही लोग पुलिस के ऊपर हमला करने से भी नहीं डरते हैं। हाल ही में दर्जनों स्थानों पर पुलिस के ऊपर हमले हुए हैं। वर्दी के पीछे पुलिस कर्मियों की वेदना उनके लिए असहनीय होती जा रही है। वह अपनी वेदना शारीरिक रूप से व्यक्ति भी नहीं कर सकते हैं। पुलिस के ऊपर जिस तरह से राजनीतिक दबाव बढ़ता जा रहा है। राजनीतिक दलों एवं धार्मिक संगठनों के नेता एवं भीड़ जरा-जरा सी बात पर हिंसक आंदोलन खड़े कर देते हैं। आक्रामक तरीके से सड़क एवं धार्मिक स्थलों पर प्रदर्शन करते हैं। विशेष रूप से दो समुदायों के बीच जिस तरह से आरोप प्रत्यारोप का दौर चल पड़ा है। उसके कारण सारे देश में कानून व्यवस्था की स्थिति लगातार खराब होती चली जा रही है। पुलिस बल का रौब भी खत्म होता चला जा रहा है। रमजान का महीना चल रहा है। मुस्लिम समुदाय के रोजा और नमाज को लेकर एक विशेष वर्ग द्वारा लगातार एक धार्मिक समुदाय पर दबाव बनाया जा रहा है। समुदाय विशेष के धार्मिक क्रियाकलापों के संदर्भ में जिस तरह की बातें हो रही हैं। वह कानून व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस के लिए बड़ी चुनौती बन रही है। रमजान ओर रामनवमी पर्व एक साथ होने के कारण कुछ संगठनों का उग्र रवैया आग में घी डालने का काम कर रहा है। जिसके कारण कई राज्यों की कानून व्यवस्था की स्थिति दिनों-दिन बिगड़ती चली जा रही है। 300 साल के इतिहास में नागपुर में पहली बार दंगा हुआ। इसका कारण भी पूर्णतः एक वर्ग विशेष के खिलाफ आंदोलन और प्रदर्शन के बाद जिस तरह की स्थिति निर्मित हुई, उसके कारण दंगा हो गया। कर्फ्यू लगाना पड़ा। पुलिस को कानून व्यवस्था नियंत्रित करने के लिए स्वतंत्र रूप से काम करने का मौका नहीं मिलता है। सरकार के दबाव मे काम करना पड़ता है। दो वर्गों के बीच के विवाद में एक वर्ग के खिलाफ मुकदमे दर्ज कर कार्रवाई करनी पड़ती है। एक वर्ग विशेष के मकानों को बुलडोजर से पुलिस की उपस्थिति में तोड़ दिया जाता है। राजनीतिक हस्तक्षेप के कारण दूसरे पक्ष पर कोई कार्यवाही नहीं होती है। जिसके कारण पुलिस के खिलाफ एक गुस्सा पनपता है।

मुंबई में एक कॉमेडियन द्वारा एक कार्यक्रम में एक राजनेता के ऊपर व्यंग्य किया गया। उसके बाद एक वर्ग विशेष के लोगों ने कार्यक्रम स्थल पर तोड़फोड़ कर दी। राज्य सरकार और जिला प्रशासन कॉमेडियन के खिलाफ खड़ी हो गई। जिसके कारण मुंबई जैसे स्थान में देखते ही देखते कानून व्यवस्था की स्थिति खराब हो गई। कानून व्यवस्था को लेकर पुलिस के ऊपर कब कहां से मुसीबत आ जाएगी। पुलिस को इसका अंदाजा भी नहीं होता है। पुलिस का खौफ और रोब खत्म होता जा रहा है। पुलिस निष्पक्ष तरीके से कार्यवाही नहीं कर पाती है। एक पक्ष प्रताड़ित होता है, दूसरा पक्ष खुलेआम आक्रामक होकर घूमता रहता है। जिसके कारण पुलिस की स्थिति आम जनता के बीच वह नहीं रही, जो कुछ वर्षों पहले तक देखने को मिलती थी। राजनीति में जिस तरह से अपराधियों को संरक्षण मिल रहा है। राजनीति में अपराधियों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। धार्मिक उन्माद भी अपराधों को बढ़ा रहा है। पुलिस चाहकर भी धार्मिक उन्मादियों पर कार्रवाई नहीं कर पाती है। जिसके कारण आम जनता के बीच में पुलिस के खिलाफ विद्रोह पनपने लगा है, जिसका खामियाजा पुलिस कर्मियों को भुगतना पड़ रहा है। अपराधियों को राजनीतिक एवं धार्मिक संरक्षण मिलने के कारण पुलिस की स्थिति दयनीय होती चली जा रही है। पुलिसकर्मियों के ऊपर लगातार हमले बढ़ रहे हैं। जगह-जगह पर सामुदायिक भीड़ तंत्र कानून व्यवस्था के लिए चुनौती बन रहा है। पुलिस स्वयं अपने कामकाज की जिम्मेदारी पूर्ण नहीं कर पा रही है। पुलिस बल अधिकांश मामले में भीड़ को नियंत्रित करने और नेताओं की सुरक्षा में लगा रहता है। जिसके कारण अपराधों की जांच और अपराधियों को पकड़ पाना पुलिस के लिए मुश्किल होता चला जा रहा है। पुलिस एक जांच एजेंसी है। पुलिस की उपस्थिति में लोगों के मन मे सुरक्षा का भाव होता है। लेकिन यह भाव अब धीरे-धीरे खत्म होता चला जा रहा है। पुलिस की मौजूदगी भी लोगों को सुरक्षित महसूस नहीं करा पा रही है। भीड़ के बीच में जब पुलिस ही सुरक्षित नहीं है। ऐसी स्थिति मे लोग पुलिस के ऊपर कैसे भरोसा कर पाएंगे। इसे आसानी से समझा जा सकता है। केंद्र सरकार और राज्य सरकारों को पुलिस को निष्पक्षता से काम करने की छूट देनी होगी। राजनीतिक और प्रशासनिक हस्तक्षेप खत्म करना होगा। पुलिस निष्पक्षता से कार्रवाई करेगी, तभी पुलिस का भरोसा आम जनता के बीच में बढ़ेगा। कानून व्यवस्था की स्थिति बेहतर होगी। महंगाई, बेरोजगारी, धार्मिक उन्माद, बढ़ते अपराध, नशाखोरी इत्यादि ऐसी समस्या है, जिनके कारण अपराधों की संख्या निरंतर बढ़ती जा रही है। यह सारा दबाव पुलिस के ऊपर पड़ता है। पुलिस का रौब आम जनता के बीच में बना रहे, पुलिस की इमेज देशभक्ति और जन सेवा की बनी रहे। इसके लिए पुलिस पर राजनीतिक हस्तक्षेप खत्म होना चाहिए। पुलिस को एक स्वतंत्र जांच एजेंसी के रूप में काम करने और कार्रवाई करने के अधिकार मिलें। यदि ऐसा हुआ तो निश्चित रूप से पुलिस का रोब बना रहेगा। कानून व्यवस्था की स्थिति में भी सुधार होगा।

रोकना होगा राजनीति में बढ़ते अपराधीकरण को

हमारे देश के राजनेताओं में दिन-प्रतिदिन नैतिकता कम होती जा रही है। कई बड़े नेता आए दिन विवादास्पद बयान देखकर चर्चाओं में बने रहते हैं। वहीं बहुत से निर्वाचित विधायकों, सांसदों, मंत्रियों सहित अन्य जनप्रतिनिधियों पर अपराधिक मामले दर्ज हो रहें हैं। जिससे राजनीति के क्षेत्र में काम करने वालों की छवि खराब होती जा रही है। देश की राजनीति में आज अपराध का इतना घालमेल हो गया है कि पता ही नहीं चलता कि कौन सा जनप्रतिनिधि अपराधी है और किसकी छवि स्वच्छ है। अपराधी प्रवृत्ति के लोगों के नेता बनने से जहां राजनीतिक दागदार हुई है। वहीं नेताओं की जनता की दूरी भी बढ़ने लगी है। मौजूदा समय में राजनीतिक व्यवसाय बन चुकी है। राजनीति में वही लोग सफल होते हैं जो या तो बड़े नेताओं के परिवार से है या फिर बहुत पैसे वाले हैं। राजनीति के क्षेत्र में अब सेवा, संगठन, वफादार कार्यकर्ताओं का कोई महत्व नहीं रह गया है। राजनीति पूरी तरह पैसों की चकाचौंध में लिप्त हो गई है।

एक समय था जब धरातल पर काम करने वाला पार्टी कार्यकर्ता आगे चलकर जनप्रतिनिधि बनता था। जमीन से उठकर आगे आने वाला नेता आम जनता से जुड़ा रहता था और वह जनता के सुख-दुख से वाकिफ भी होता था। इसलिए वह आमजन के हित में काम करता था। मगर अब लोग पैसे के बल पर पैराशूट से उतरकर राजनीति करने लगे हैं। वह पैसे के बल पर ही चुनाव जीत जाते हैं। इसलिए उन्हें आमजन की समस्याओं से कोई लेना-देना नहीं रहता है। ऐसे नेता पांच सितारा संस्कृति के वाहक होते हैं। ऐसे नेता राजनीति में आने के लिए पहले खूब पैसा खर्च करते हैं और जब किसी पद पर पहुंच जाते हैं तो जमकर भ्रष्टाचार कर पैसा कमाते हैं। ऐसे लोगों के कारण ही आज राजनीति समाज सेवा की बजाय व्यवसाय बन गई है।

1971 के लोकसभा चुनाव में झुंझुनू सीट पर देश के सबसे बड़े औद्योगिक घराने के कृष्ण कुमार बिड़ला को हराने वाले शिवनाथ सिंह गिल को मैंने 1998 से 2003 में विधायक के रूप में देखा है। वह अपने क्षेत्र से जयपुर जाते या अपने घर से विधानसभा जाते हमेशा सरकारी बस का ही उपयोग करते थे। कभी निजी गाड़ियों से नहीं घूमते थे। इसी के चलते उन्होंने राजनीति में 50 साल लंबी पारी खेली थी। वह ईमानदार थे इसीलिए ईमानदारी से रहते थे। आज हम देखते हैं कि राजनीतिक दलों के छोटे-छोटे कार्यकर्ता भी कई लाख रूपयों की महंगी गाड़ियों में घूमते हैं। पार्टी का कोई नेता उनसे यह नहीं पूछता है कि इतनी महंगी गाड़ियां खरीदने के लिए पैसे कहां से आता है। सबको पता है की राजनीति में आज छूट-भैया नेता भी सत्ता की दलाली में पैसा कमा रहे हैं। दलाली के पैसों में बड़े नेताओं का भी हिस्सा होता है। इसीलिए उनकी तरफ कोई अंगुली नहीं उठता हैं।

चुनाव सुधार पर काम करने वाली एक गैर सरकारी संगठन एसोसिएशन ऑफ डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स की एक रिपोर्ट में सामने आया है कि देश के 45 प्रतिशत विधायकों पर आपराधिक मामले दर्ज हैं। इस संगठन ने देश के 28 राज्यों और विधानसभा वाले तीन केंद्र शासित प्रदेशों के कुल 4123 विधायकों में से 4092 के चुनावी हलफनामे का विश्लेषण किया है। जिसमें आंध्र प्रदेश के सबसे ज्यादा 174 में से 138 यानी 79 प्रतिशत विधायकों ने जबकि सिक्किम में सबसे कम 32 में से सिर्फ एक विधायक 3 प्रतिशत ने अपने खिलाफ आपराधिक मामले घोषित किए हैं। तेलुगु देशम पार्टी के सबसे ज्यादा 134 विधायकों में से 115 यानि 86 प्रतिशत पर आपराधिक मामले दर्ज हैं।

उक्त रिपोर्ट से पता चला कि 1861 विधायकों ने अपने खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज होने की घोषणा की है। इसमें 1205 पर हत्या, हत्या की कोशिश, अपहरण और महिलाओं के खिलाफ अपराध जैसे गंभीर आरोप हैं। रिपोर्ट के अनुसार 54 विधायकों पर भारतीय दंड संहिता की धारा 302 के तहत हत्या के आरोप हैं। वहीं 226 पर धारा 307 और भारतीय न्याय संहिता की धारा 109 के तहत हत्या की कोशिश के आरोप हैं। इसके अलावा 127 विधायकों पर महिलाओं के खिलाफ अपराधों के मामले दर्ज हैं। इनमें 13 पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 376 और 376 (2)(द) के तहत बलात्कार का आरोप है। धारा 376 (2)(द) एक ही पीड़ित के बार-बार यौन उत्पीड़न से संबंधित है।

एसोसिएशन ऑफ डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स की रिपोर्ट के अनुसार 543 लोकसभा सदस्यों में से 251 (46 प्रतिशत) के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज हैं। उनमें से 27 को दोषी ठहराया गया है। रिपोर्ट के अनुसार लोकसभा में चुने जाने वाले आपराधिक आरोपों का सामना कर रहे उम्मीदवारों की यह सबसे बड़ी संख्या है। कुल 233 सांसदों (43 प्रतिशत) ने अपने खिलाफ आपराधिक मामले घोषित किए थे। जबकि 2014 में 185 (34 प्रतिशत), 2009 में 162 (30 प्रतिशत) और 2004 में 125 (23 प्रतिशत) सांसदों के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज हैं। 2024 में लोकसभा के लिये चुने गये 251 उम्मीदवारों में से 170 (31 प्रतिशत) पर बलात्कार, हत्या, हत्या का प्रयास, अपहरण और महिलाओं के खिलाफ अपराध सहित गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। विश्लेषण से पता चला कि यह 2019 में 159 (29 प्रतिशत) सांसदों, 2014 में 112 (21 प्रतिशत) सांसदों और 2009 में 76 (14 प्रतिशत) सांसदों की तुलना में भी वृद्धि है।

एडीआर के अनुसार 18वीं लोकसभा में सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी बीजेपी के 240 विजयी उम्मीदवारों में से 94 (39 प्रतिशत) ने आपराधिक मामले घोषित किए हैं। कांग्रेस के 99 विजयी उम्मीदवारों में से 49 (49 प्रतिशत) ने आपराधिक मामले घोषित किए हैं और समाजवादी पार्टी के 37 उम्मीदवारों में से 21 (45 प्रतिशत) पर आपराधिक आरोप हैं। विश्लेषण में पाया गया कि 63 (26 प्रतिशत) बीजेपी उम्मीदवार, 32 (32 प्रतिशत) कांग्रेस उम्मीदवार और 17 (46 प्रतिशत) समाजवादी पार्टी उम्मीदवारों ने गंभीर आपराधिक मामले घोषित किए हैं। इसमें कहा गया है कि सात (24 प्रतिशत) टीएमसी उम्मीदवार, छह (27 प्रतिशत) डीएमके उम्मीदवार, पांच (31 प्रतिशत) टीडीपी उम्मीदवार और चार (57 प्रतिशत) शिवसेना उम्मीदवार गंभीर आपराधिक मामलों का सामना कर रहे हैं।

रिपोर्ट के अनुसार केरल के 20 में से 19 (95 प्रतिशत) सांसदों पर आपराधिक मामले दर्ज हैं जिनमें से 11 गंभीर अपराधों से जुड़े हैं। तेलंगाना के 17 में से 14 (82 प्रतिशत), ओडिशा के 21 में से 16 (76 प्रतिशत), झारखंड के 14 में से 10 (71 प्रतिशत) और तमिलनाडु के 39 में से 26 (67 प्रतिशत) सांसदों के खिलाफ आपराधिक मुकदमे लंबित हैं। वहीं उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, बिहार, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश में लगभग 50 प्रतिशत सांसदों पर आपराधिक मामले दर्ज हैं। दूसरी ओर हरियाणा 10 और छत्तीसगढ़ 11 सांसद में केवल एक-एक सांसद पर आपराधिक मामले दर्ज हैं।

संसार में मृत्य अटल सत्य है- मानवीय मृत्यु का अनसुल्झा रहस्य बरकार

कुदरत द्वारा बनाई इस अनमोल खूबसूरत सृष्टि में कुदरत की अनमोल कलाकृति मानवीय जीव के रूप में सृजित हुई और जिस मानवीय कुनबे में शिशु का जन्म होता है वहां खुशियों की बहार छा जाती है ऐसा सदियों से हजारों वर्षों से होता आया है और वर्तमान काल में भी हो रहा है। इस संसार में मृत्य अटल सत्य है जिसने भी जन्म लिया है उसकी मृत्यु निश्चित है। लेकिन लोगों के मन हमेशा एक सवाल उठता है कि आखिर मौत के बाद क्या होता है। अगर आत्म होती है, तो कहां जाती है। मौत के बाद मनुष्य का शरीर शिथिल हो जाता है। इस पर पहले कई शोध हुए हैं जो अभी भी जारी है। प्रकृति के कई अनसुलझे रहस्य हैं जिसे सुलझाना अभी भी बाकी है। उन्हीं में से एक है आत्मा और मौत। जब किसी मानवीय जीव की मृत्यु हो जाती है तो आदि अनादि काल से यह भी सच है कि उसी कुनबे में अति संवेदनशील दुखों का पल छा जाते हैं और उनका कुनबा यह सोचने पर मज़बूर हो जाता है कि आखिर ऐसा क्या इस शरीर में से निकल गया जो यह शरीर निर्जीव हो गया जो आज के वर्तमान परिपेक्ष में भी एक अनसुलझा रहस्य बना हुआ है! जिसके विज्ञान, विशेषज्ञों, जानकारों के अलग अलग तर्क दिए गए हैं परंतु हमारे बड़े बुजुर्गों और आध्यात्मिकता में यह ईश्वर अल्लाह की देन है और कहा गया है कि हम मानवीय जीव उसके हाथ के बने खिलौने हैं जिनका वह जीवन फिक्स कर देता है और समय आने पर उसे तोड़ देता है याने मृत्यु !आदि अनादि कहां से बुजुर्गों आध्यात्मिकता व कहावतों द्वारा यह कहा जाता है कि मनुष्य जब जन्म लेता है तो उसके मस्तक पर उसके पूरे जीवन की भविष्य रेखा लिखी रहती है और वह रेखा समाप्त होते ही उसकी मृत्यु हो जाती है,परंतु आधुनिक प्रौद्योगिकी युग में मनुष्य या कोई भी जीव मृत देह में कैसे बदल जाता है विज्ञान इस सवाल से निरंतर जूझ रहा है।

साथियों बात अगर हम मृत्यु की करें तो यह नाम सुनते ही दिल दहल जाता है, कांप जाता है। जिस तरह हमने कोरोना महामारी कॉल की पीक स्थिति में मृत्यु का तांडव देखे, तो दिल पसीज़ गया था। हमनें फिल्म उद्योग की पुरानी फिल्म पुष्पांजलि का दर्द भरा गीत, दुनिया से जाने वाले, जाने चले जाते हैं कहां, कैसे ढूंढे कोई उनको नहीं होते नामोनिशान और चिट्ठी न कोई संदेश, ना जाने कौन सा देश, जहां तुम चले गए सुनें होंगे जो दुखों के पलों में अक्सर याद आते हैं। हालांकि इन गीतों से भी वही प्रश्न गूंज रहा है कि आखिर मानवीय शरीर में से ऐसा क्या निकल जाता है और कहां चला जाता है जो शरीर निर्जीव हो जाता है!उसका रहस्य आज भी अनसुलझा है!और मेरा मानना है कि शायद कभी सुल्झेगा भी नहीं चाहे कितना भी प्रौद्योगिकी विज्ञान का उपयोग किया जाए?

साथियों बात अगर हम मृत्यु की करें तो, मृत्यु शब्द नही बल्कि, मीडिया में जानकारी के अनुसार, मृत्यु एक परम पवित्र मंगलकारी देवी है। सामान्य भाषा मे किसी भी जीवात्मा अर्थात प्राणी के जीवन के अन्त को मृत्यु कहते हैं। मृत्यु सामान्यतः वृद्धावस्था, लालच, मोह,रोग कुपोषण के परिणामस्वरूप होती है।मुख्यतया मृत्यु के 101 स्वरूप होते है, लेकिन मुख्य 8 प्रकार की होती है। जिसमे बुढ़ापा, रोग, दुर्घटना, अकस्मती आघात, शोक,चिंता, और लालच मृत्यु के मुख्य रूप है।

साथियों बात अगर हम विज्ञान विशेषज्ञों, जानकारों की करें तो उनका अलग-अलग तर्क है, हालांकि विज्ञान के अनुसार, मृत्यु का अर्थ है जीवित प्राणी के शरीर की सभी जैविक प्रक्रियाओं का समाप्त हो जाना। जैविक प्रक्रिया को दिल के धड़कने, मस्तिष्क के निर्णय लेने की क्षमता, किडनी और लीवर जैसे अंगों के सुचारु ढंग से काम करने में समझा जा सकता है। ये प्रक्रियाएं समाप्त होते ही हमारी मृत्यु हो जाती है। विशेषज्ञों की जानकारी के अनुसार,शरीर की जैविक प्रकियाएं कई कारणों से रुक सकती हैं। उम्र का ढल जाना यानी बूढ़ा हो जाना, किसी दूसरे व्यक्ति का प्राणघातक हमला, कुपोषण, बीमारी, आत्महत्या, भूख, प्यास, दुर्घटना या आघात आदि से ये प्र?किया रुक सकती है। मृत्यु के बाद शरीर तेजी से विघटित होता है, और कई तत्वों में टूट जाता? है। भारतीय दर्शन में ये संकल्पना है ही कि शरीर का ?निर्माण पंचतत्वों से हुआ है और अंततः उन्हीं तत्वों में विलीन हो जाता है। साथियों लेकिन जीवन और मृत्यु के बीच सटीक सीमा रेखा क्या है? किस क्षण में जीवन मृत्यु में बदल जाता है? शरीर का वह कौन अंतिम अंग या कण है, जिसके रुकते ही जीवन रुक जाता है और मनुष्य या कोई भी जीव मृत देह में बदल जाता है, विज्ञान इस सवाल से निरंतर जूझ रहा है?बहरहाल मनुष्य का शरीर एक अद्भुत मशीन है। जिसका हर पुर्जा एक दूसरे से जुड़ा हुआ है। लेकिन यह सवाल अभी अनुत्तरित है कि वह कौन सा तत्व है जिसे जीवन का जनक माना जाए या जीवन के न होने की वजह माना जाए! साथियों बात अगर हम बड़े बुजुर्गों और आध्यात्मिकता के दृष्टिकोण की करें तो उनके अनुसार यह जन्म मृत्यु ईश्वर अल्लाह की देन है उनके अनुसार, आध्यात्मिक दृष्टिकोण से आत्मा शरीर में वास करती हैं। मगर मृत्यु के बाद ये शरीर को त्याग देती है और दूसरे शरीर को धारण कर लेती है। आत्मा ईश्वर का ही एक स्वरूप है। मगर इसे कोई देख नहीं सकता है। आत्मा को नश्वर माना जाता है। आध्यात्मिक दृष्टि से इसका न कोई आकारा होता है और न ही स्वरूप, मृत्यु एक जीव को बनाए रखने वाले सभी जैविक कार्यों की अपरिवर्तनीय समाप्ति है।

साथियों बात अगर हम मृत्यु के बाद दोबारा जीवन की करें तो मीडिया के अनुसार, मृत्यु के बाद क्या होता है, क्या दोबारा जीवन मिलता है, या फिर नहीं!इस बात पर चर्चा फिर से शुरू हो गई है। मीडिया के अनुसार एक प्रदेश में हाल ही में तीन ऐसी घटनाएं हुई, जिनमें मृत्यु के बाद जीवन मिला। विज्ञान की भाषा में कहें तो सब कुछ व्यर्थ की बातें हैं, लेकिन आज भी कुछ अनसुलझे रहस्य हैं, जिनके आगे विज्ञान भी नतमस्तक है। यह कहना गलत इस लोक के बाहर दुनियाँ नहीं है या जिस तरह पृथ्वी पर जिस तरह जीवन है, उस तरह अन्य गृहों पर जीवन नहीं है। विज्ञान भी ऐलियन जैसी बातों को मान रहा है। इसलिए यह भी सत्य है, कि हमारे शास्त्रों के अनुसार पूरे ब्रह्मांड को चलाने वाले शक्ति भी है और हमारी मृत्यु के बाद कर्मों का लेखा जोखा होता है।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि संसार में मृत्य अटल सत्य है- मानवीय मृत्यु का अनसुल्झा रहस्य बरकार आधुनिक प्रौद्योगिकी युग में भी मनुष्य या कोई भी जीव मृत देह में कैसे बदल जाता है!विज्ञान इस सवाल से निरंतर जूझ रहा है? मानवीय मृत्यु एक अनसुलझी पहेली बनी हुई है कि शरीर से आखिर ऐसा क्या निकल जाता है कि शरीर निर्जीव हो जाता है।

संघ के कर्नाटक-मंथन में नये संकल्प-नयी दिशाएं

-ललित गर्ग

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा की तीन दिवसीय बैठक अपने स्थापना के शताब्दी वर्ष प्रवेश के पावन एवं ऐतिहासिक अवसर पर बेंगलुरु में सफलतापूर्णक एवं ऊर्जामय माहौल में संपन्न हुई, जिसमें औरंगजेब विवाद, तीन-भाषा फॉर्मूला, परिसीमन और बांग्लादेश में हिंदुओं की स्थिति पर चर्चा ने एक अपूर्व वातावरण का निर्माण किया। जिसमें दुनिया में शांति और समृद्धि लाने के तर्क पर एक सौहार्दपूर्ण और संगठित हिंदू समाज के निर्माण का आह्वान किया गया। इसमें संघ प्रमुख मोहन भागवत, महासचिव दत्तात्रेय होसबोले, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और भाजपा महासचिव बीएल संतोष सहित आरएसएस से जुड़े 32 संगठनों के प्रमुखों ने भाग लिया। आरएसएस की स्थापना विशेष रूप से भारतीय हिन्दू समाज में राष्ट्रीयत्व भाव जागृत करने, हिन्दुओं को संगठित करने एवं हिन्दू समाज के बीच समरसता स्थापित करने के उद्देश्य से हुई और इन सौ वर्षों में न केवल इन लक्ष्यों को हासिल किया गया है बल्कि अनेक रचनात्मक एवं सृजनात्मक गतिविधियों एवं योजनाओं के साथ अपनी एक स्वतंत्र एवं अलग छवि का निर्माण किया है। इस वर्ष की वार्षिक बैठक न केवल विशेष बल्कि नवीन संकल्पों की वाहक बनी है, क्योंकि बैठक ने सकारात्मक क्रांतिकारी विचारों से न केवल राष्ट्र में सक्रिय नकारात्मक एवं अराष्ट्रीय ताकतों को सख्त संदेश दिया गया बल्कि पडौसी बांग्लादेश-पाकिस्तान-चीन आदि देशों की कुचेष्टाओं के लिये ललकारा भी गया एवं सावधान भी किया गया है। अठहत्तर वर्ष की देहरी पर खड़े होकर राष्ट्र के अतीत को देखा-परखा जाए तो ऐसा लगता है कि अब राष्ट्र का कायाकल्प हो रहा है। मूलभूत आस्थाओं एवं राष्ट्रीयता के दृढ़ीकरण के साथ देश में जो नई चेतना आई है, वह संघ जैसे शक्तिशाली संगठन का जीवंत साक्ष्य है। राष्ट्रीयता, स्व-पहचान, स्वदेशी-भावना, हिन्दू-संस्कृति के ऊर्जा के अक्षय स्रोतों की खोज में जो प्रयत्न किया जा रहा है, वह अभूतपूर्व है। जन-आकांक्षा के अनुरूप राष्ट्र को जिस युगीन परिवेश में प्रस्तुति दी जा रही है, वह असाधारण है। इन सब परिवर्तनों-परिवर्धनों एवं राष्ट्र को सशक्त करने के बावजूद संघ की सादगी का सौन्दर्य निराला है और कर्नाटक बैठक इसी सादगी के सौन्दर्य के अनूठेपन को लिये हुई थी।

दुनिया के सबसे बड़े स्वयंसेवी संगठन ने अपनी अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा में सभी स्वयंसेवकों से आग्रह किया कि वे पूरे समाज को सज्जन शक्ति के नेतृत्व में एकजुट कर, दुनिया के सामने एक संगठित और सामंजस्यपूर्ण भारत का आदर्श प्रस्तुत करें। इसमें बैठक में मुख्य रूप से कहा गया है कि भारत एक प्राचीन और समृद्ध संस्कृति वाला देश है और इसमें एकजुट दुनिया बनाने का अद्भुत ज्ञान एवं सक्षमता है। आरएसएस ने यह भी कहा कि उनका उद्देश्य पूरी मानवता को विभाजन और विनाश की प्रवृत्तियों से बचाना है और सभी जीवों के बीच शांति और एकता की भावना को बढ़ावा देना है। इसके अलावा, आरएसएस ने हिंदू समाज को अपने वैश्विक उत्तरदायित्व को पूरा करने के लिए संगठित और सामूहिक जीवन की आवश्यकता पर बल दिया है, जो 'धर्म' पर आधारित आत्मविश्वास से भरा हो। साथ ही बैठक में पारित प्रस्तावों में यह भी कहा गया कि सभी प्रकार के भेदभावों को खारिज कर, एकजुट आचरण और पर्यावरण के अनुकूल जीवन शैली को अपनाते हुए हमें एक आदर्श समाज का निर्माण करना चाहिए। यह समाज भौतिक समृद्धि के साथ-साथ आध्यात्मिकता से भी परिपूर्ण होगा, जो समाज की समस्याओं का समाधान करेगा और चुनौतियों को कम करेगा। इस वर्ष की बैठक का हर बोल अनमोल है, हर चरण एक मंजिल है, हर संकल्प नये भारत-सशक्त भारत की दिशा है और हर क्रिया एक सन्देश है। संघ का जीवन और दर्शन, विचार और सोच अन्तरमन को कुरेदने वाली ऐसी प्रेरणा है जो जागृत अवस्था में सोने वाले लोगों का झकझोर देती है।

इस बैठक की खास बात यह रही है कि इसमें संघ की तरफ से भाजपा के बारे में सीधे सवालों से दूरी बनाए रखी गयी। हालांकि, परिसीमन के मुद्दे पर दक्षिण के राज्यों में सीटें कम नहीं होने को लेकर भाजपा को संदेश भी दे दिया। परिसीमन को लेकर संघ ने साफ कहा कि दक्षिणी राज्यों का लोकसभा में अनुपात वही रहेगा। इसके साथ ही संघ ने तीन-भाषा फार्मूले पर संतुलित रुख बनाए रखा गया। ऐसे समय में जब भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार और तमिलनाडु सरकार त्रिभाषा फार्मूले को लेकर असमंजस में हैं, आरएसएस ने इस विवाद को दरकिनार करते हुए मातृभाषा, व्यक्ति के निवास स्थान की क्षेत्रीय भाषा तथा करियर की भाषा, जो अंग्रेजी या कोई अन्य भाषा हो सकती है, के उपयोग की वकालत की है। संघ ने महाराष्ट्र में मुगल बादशाह औरंगजेब को लेकर चल रहे विवाद को लेकर मुगल शासक की तीव्र एवं तीखी आलोचना की। खास बात यह देखने को मिली कि संघ की तरफ से औरंगजेब की आलोचना के साथ ही उसके भाई दारा शिकोह का जश्न भी मनाया, क्योंकि दारा शिकोह सामाजिक सद्भाव में विश्वास करने वाला व्यक्ति था। दत्तात्रेय होसबाले ने कहा कि भारत के मूल्यों के खिलाफ जाने वाले लोगों को आदर्श बनाया गया था। औरंगजेब 'भारत के लोकाचार' के खिलाफ था और अगर वैसी ही 'आक्रमणकारी मानसिकता' अभी भी मौजूद है तो यह देश के लिए खतरा है। जो इस भूमि की सांस्कृतिक विरासत को नष्ट करने की कुचेष्ठा भी है। निश्चित ही इस तरह कोई विकृत संस्करण या नैरेटिव प्रस्तुत करना चाहता है, तो उसका मुकाबला किया ही जाना चाहिए।

कर्नाटक बैठक की टंकार में संघ ने बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ अत्याचारों पर गंभीर चिंता व्यक्त की। 'बांग्लादेश के हिन्दू समाज के साथ एकजुटता से खड़े होने का आह्वान' शीर्षक वाले एक प्रस्ताव में अंतरराष्ट्रीय ताकतों और 'अमेरिका में डीप स्टेट' के प्रयासों का उल्लेख किया गया। संघ ने स्पष्ट किया कि बांग्लादेश में हिंदुओं की जिम्मेदारी भारत की है और 'हम इस कर्तव्य से बच नहीं सकते।' निश्चित ही धार्मिक संस्थानों पर व्यवस्थित हमलों, क्रूर हत्याओं, जबरन धर्मांतरण और हिन्दुओं की संपत्तियों को नष्ट करने के चक्र ने बांग्लादेश में हिन्दू समुदाय के लिए अस्तित्व का संकट पैदा कर दिया है। इसलिये संघ द्वारा धार्मिक असहिष्णुता और मानवाधिकारों के उल्लंघन के इन कृत्यों की कड़ी निंदा की गई है और वैश्विक समुदाय से निर्णायक कार्रवाई करने का आग्रह किया गया है। इस बैठक ने हिन्दुओं को आश्वस्त किया कि बांग्लादेश में हिंदुओं के भविष्य में कोई मुश्किल स्थिति आती है, तो हम पीछे नहीं हट सकते। अगर ऐसी स्थिति आती है, तो हम उसका समाधान करेंगे। भाजपा के नये अध्यक्ष के चयन को लेकर भी संघ ने स्पष्ट किया कि भाजपा के नए अध्यक्ष के चयन को लेकर उसका पार्टी के साथ कोई मतभेद नहीं है। संघ ने कहा कि यह निर्णय पूरी तरह से भाजपा पर निर्भर है। भाजपा की प्रक्रिया चल रही है, सदस्यता पूरी हो चुकी है और विभिन्न स्तरों पर समितियों का गठन हो चुका है। आने वाले दिनों में भाजपा अध्यक्ष का चुनाव होगा। इससे पहले चर्चा चल थी कि भाजपा और आरएसएस किसी उपयुक्त उम्मीदवार पर सहमत नहीं हो पाए हैं, जिससे दोनों संगठनों के बीच टकराव की अटकलें लगाई जा रही हैं।

कर्नाटक बैठक से एक बार फिर पुरजोर तरीके से उजागर हुआ कि संघ हिन्दू सनातन संस्कृति को भारत के जन-जन के मानस में प्रवाहित करने का सफल एवं सार्थक कार्य करने को प्रतिबद्ध है। ताकि प्रत्येक भारतीय के मन में राष्ट्रीयता की भावना जागृत हो एवं उनके लिये भारत प्रथम प्राथमिकता बन सके। यह कार्य संघ अपने स्वयंसेवकों द्वारा समाज के बीच जाकर करने का प्रयास करता है और यह कार्य आज पूरे विश्व में शांति एवं समरसतापूर्ण जीवन स्थापित करने के लिये एक जरूरी आवश्यकता है। पिछले आठ दशकों में लगातार हिन्दू-संस्कृति को कमजोर करने की राजनीतिक चालों को भी संघ ने समय-समय पर आड़े हाथ लिया है। दरअसल हिन्दू धर्म नहीं, विचार है, संस्कृति है। हिन्दू राष्ट्र होने का अर्थ धर्म से न होकर हिन्दू संस्कृति के सर्वग्राही भाव से है। हिन्दू संस्कृति उदारता का अन्तर्निहित शंखनाद है क्योंकि पूरे विश्व में यह अकेली संस्कृति है जो बहुविचारवाद यानी सभी धर्म, विचार एवं संस्कृतियों को स्वयं में समेटे हैं। कर्नाटक बैठक हिन्दू संस्कृति के वृहद स्वरूप का ही सौपान बनी है।

जल गंगा संवर्धन अभियान -2025 के तहत कलेक्टर यादव का अभिनव प्रयास

जिले की जल संग्रहण क्षमता एवं भू-जल में वृद्धि हेतु 3.44 करोड़ की लागत से 36 तालाबों का होगा नवीनीकरण और जीर्णोद्धार

कटनी। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत कटनी जिले में रविवार 30 मार्च से जल संरचनाओं के निर्माण, जीर्णोद्धार और साफ-सफाई का कार्य शुरू हुआ। इसे और अधिक विस्तार देकर जिले जल संरक्षण एवं संवर्धन कार्यों के माध्यम से जल संग्रहण क्षमता में वृद्धि एवं भू-जल रिचार्ज को दृष्टिगत रखते हुए कलेक्टर दिलीप कुमार यादव द्वारा जिले के 36 तालाबों की मरम्मत एवं जीर्णोद्धार हेतु 3 करोड 44 लाख 69 हजार रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की है। कलेक्टर यादव नें यह स्वीकृति कार्यपालन यंत्री ग्रामीण यांत्रिकी सेवा द्वारा प्रस्ताव एवं तकनीकी प्रतिवेदन के आधार पर सशर्त जारी किया है। इस संबंध में कलेक्टर यादव द्वारा जारी आदेश के अनुसार तालाब जीर्णोद्धार एवं नवीनीकरण कार्य कराये जाने हेतु संबंधित ग्राम पंचायतों को क्रियान्वयन एजेंसी नियुक्त किया गया है तथा कार्य में होने वाला व्यय 15वें वित्त एवं महात्मा गांधी राष्ट्रीय रोजगार स्कीम के अंतर्गत विकलनीय होगा। इस संपूर्ण कार्य में 82 हजार 512 मानव कार्यदिवस का रोजगार सृजित होगा।

ये तालाब शामिल

जिला पंचायत के सीईओ शिशिर गेमावत नें बताया कि तालाबों के पुनरूद्धार, जीर्णोद्धार एवं नवीनीकरण हेतु तकनीकी एवं प्रशासकीय स्वीकृति जारी की गई है उनमें जनपद पंचायत कटनी अंतर्गत ग्राम पंचायत केवलानी ग्राम सर्रा हेतु 9.47 लाख , खरखरी के ककरहाई तालाब हेतु 9.56 लाख, जुहला के गोहाई तालाब हेतु 9.59 लाख, पिपरिया के आसमानी दाई के पास स्थित तालाब हेतु 9.46, मझगवां फाटक के सोजहाई तालाब हेतु 9.83 लाख, तथा मड़ई के शांतिधाम के बाजू के सुर्की तालाब के जीर्णोद्धार हेतु 9.53 लाख रुपए की स्वीकृति जारी की गई है।जबकि जनपद पंचायत रीठी के बरयारपुर के खैरूआ तालाब के विस्तारीकरण हेतु 9.96 लाख, जमुनिया के मोहाई तालाब गहरीकरण हेतु 9.96 लाख, खम्हरिया -1 के बरा के पास स्थित तालाब के जीर्णोद्धार हेतु 9.90 लाख, तिनगवां तालाब विस्तारीकरण जुखला हेतु 9.74 लाख, कुम्हावारा गेवडाहार तालाब विस्तारीकरण हेतु 9.74 लाख, बडखेरा दुर्गा मंदिर के पास स्थित तालाब विस्तारीकरण हेतु 9.75 लाख, कैमोरी नर्सरी तालाब

विस्तारीकरण 9.46 लाख, नैगवां गाडीघाट तालाब विस्तारीकरण 9.46 लाख, धनौरा धरहा तालाब हेतु 9.44 लाख रूप्ये, सिमरा-1 रैपुरा तालाब 9.56 लाख, बकलेहटा कछिया वाली तलैया जीर्णोद्धार हेतु 8.69 लाख, तिघराकला तालाब जीर्णोद्धार 8.99 लाख रुपए की स्वीकृत प्रदान की गई है। वहीं जनपद पंचायत बड़वारा अंतर्गत जनपद पंचायत लुरमी बड़ा तालाब 9.75 लाख, पिपरिया कला के बडका तालाब जीर्णोद्धार हेतु 9.78 लाख की स्वीकृति प्रदान की गई है। इसी प्रकार जनपद पंचायत बहोरीबंद अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत डिहुटा के इंदिरा कालौनी तालाब हेतु 9.95 लाख रुपए, मसंधा के धरना मोहार तालाब हेतु 9.31 लाख, कुम्हरवारा के शमशानघाट के पास के तालाब हेतु 9.46 लाख, खमतरा के भटिया तालाब हेतु 9.35 लाख, बरही के पूरन लोधी के खेत के पास के तालाब हेतु 9.34 लाख, बहोरीबंद के बैरई तालाब हेतु 8.01 लाख तथा मोहतरा के हरिजन मोहल्ला स्थित तालाब के जीर्णोद्धार हेतु 9.44 लाख रुपए की स्वीकृति प्रदान की गई है। वहीं जनपद पंचायत विजयराघवगढ़ अंतगत आने वाली ग्राम पंचायत खिरवा नंबर 1 लाहुरवा तालाब हेतु 9.70 लाख रुपए, चपना के दडौरी तालाब हेतु 9.81 लाख, सिनगोडी की शारदा मोड़ तलैया हेतु 9.81 लाख, पथरहटा के सिझौला तालाब हेत 9.83 लाख, हन्तला के गुलैला तालाब 9.72 लाख, देवसरी इंदौर के सेगरहाई भटिया स्थित तालाब हेतु 9.47 लाख, रजरवारा -2 पहाडी तालाब हेतु 9.83 लाख, रजरवारा -1 बाबा तालाब हेतु 9.96 लाख तथा बम्होरी के बढियाहार तालाब के जीर्णोद्धार हेतु 9.87 लाख रुपए की स्वीकृति प्रदान की गई है। उपरोक्त कार्य के क्रियान्वयन में 15वां वित्त एवं महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम 2005 तथा उसके अनुक्रम में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा जारी दिशा-निदेर्शों का पालन किया जाना अनिवार्य होगा।

इन शर्तों, प्रतिबंधों का करना होगा पालन

स्वीकृत निर्माण कार्य में म.गा.रा.ग्रा.रो.गां. स्कीम म.प्र. के मार्गदर्शी सिद्धांतो के अनुरूप ग्रामीण जाबकार्डधारी परिवार के व्यक्तियों को रोजगार की मांग करने पर अनिवार्य रूप से लगाया जावेगा। भारत सरकार द्वारा मनरेगा के संबंध में दिये गये निदेर्शों के पालन करना आवश्यक होगा। स्वीकृत कार्य गनरेगा के मानकों के अनुरूप तथा म.प्र. शासन, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, मंत्रालय द्वारा दिये गये निदेर्शों का पालन करते हुये कराना होगा। कार्य के लिए प्रदच प्रशासकीय स्वीकृति में ही कार्य पूर्ण करना होगा। स्वीकृत राशि से अधिक राशि व्यय होने पर इसका रामस्त दायित्व क्रियान्वयन एजेंसी का होगा। कार्य शासकीय भूमि पर ही संपादित करना होगा तथा कार्य पर मजदूरी एवं सामग्री का अनुपात योजना के दिशा निदेर्शों के अनुसार किया जाना अनिवार्य होगा।

विक्रम संवत 2082 की शुरूआत पर भगवान सूर्य की उपासना कर ब्रह्मध्वज की हुई स्थापना

बसस्टैंड आडिटोरियम में विक्रमोत्सव-2025 का हुआ भव्य आयोजन

कटनी। सृष्टि के आरंभ दिवस और भारतीय नव वर्ष विक्रम संवत 2082 की शुरूआत पर रविवार को यहाँ बस स्टैंड स्थित आडिटोरियम में विक्रमोत्सव 2025का भव्य और अविस्मरणीय आयोजन किया गया। यहां इस कार्यक्रम में भगवान सूर्य की उपासना की गई और पूरे विधि-विधान से ब्रह्मध्वज की स्थापना कर पूजा -अर्चना की गई। इस दौरान विधायक मुड़वारा श्री संदीप जायसवाल, विधायक बडवारा श्री धीरेन्द्र बहादुर सिंह, जिला पंचायत सीईओ श्री शिशिर गेमावत , अपर कलेक्टर साधना परस्ते, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री संतोष डेहरिया, एस डी एम श्री प्रदीप कुमार मिश्रा, डिप्टी कलेक्टर श्री विवेक गुप्ता और निगमायुक्त श्री नीलेश दुबे सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी और कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में छात्र- छात्राएं मौजूद रहे।इस मौके पर सम्राट विक्रमादित्य के जीवन पर केंद्रित नाटक का मंचन भी किया गया।जिसे लोगों ने काफी सराहा। इस मौके पर विधायक मुड़वारा श्री संदीप जायसवाल ने अपने संबोधन में कहा कि भारतीय संस्कृति के अंतर्गत पर्व और त्योहारों का निर्धारण मंगल तिथियां के आधार पर होता है। खगोलीय गतिविधियों की दृष्टि से गुड़ी पड़वा अर्थात प्रतिपदा, वर्ष की पहली मंगल तिथि है। इसी आधार पर होली, दीपावली जैसे त्योहारों की तिथियों का निर्धारण होता है। विक्रम संवत प्राचीन सनातन संस्कृति की अनुपम परंपरा है, इसी तिथि पर चंहुओर खुशियों, समृद्धि और हर्षोल्लास का वातावरण होता है। कार्यक्रम को बड़वारा विधायक श्री धीरेन्द्र बहादुर सिंह ने संबोधित किया और विक्रम संवत की महत्ता और वर्ष प्रतिपदा से शुरू हुआ जल गंगा संवर्धन अभियान के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में आभार प्रदर्शन डिप्टी कलेक्टर श्री विवेक गुप्ता ने किया और मंच संचालन शासकीय कन्या महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ चित्रा प्रभात ने किया। इस दौरान जल संरक्षण एवं संवर्धन के लिए लोगों को प्रेरित करने जल गंगा संवर्धन रैली निकाली गई। रैली को विधायक श्री जायसवाल और विधायक श्री सिंह एवं जिला पंचायत सीईओ ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया, जो बस स्टैंड होते हुए कटनी शहर के मसुरहा घाट पहुंचीं।

युवाओं को मिलेगा देश की 500 टॉप कंपनियों में इंटर्नशिप का अवसर

पीएम इंटर्नशिप योजना के तहत आवेदन की अंतिम तिथि सोमवार 31 मार्च

प्रतिमाह मिलेगा 5 हजार रुपए स्टाइपेंड, एकमुश्त मिलेगी 6 हजार रुपए की राशि

कटनी। जिले के युवाओं के लिए एक सुनहरा अवसर आया है। प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना 2024-25 के दूसरे चरण के लिए आवेदन प्रक्रिया की अंतिम तिथि सोमवार 31 मार्च है। प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना के तहत, चुने गए उम्मीदवारों को देश की टॉप कंपनियों में इंटर्नशिप करने का मौका मिलेगा। कलेक्टर श्री दिलीप कुमार यादव ने संबंधित अधिकारियों को इस योजना में जिले के अधिक से अधिक युवाओं का पंजीयन कराने के निर्देश दिए हैं। इस योजना का मुख्य उद्देश्य युवाओं को भारत की 500 शीर्ष कंपनियों में इंटर्नशिप के अवसर प्रदान कर रोजगार परक बनाना है तथा युवाओं को विभिन्न क्षेत्रों में वास्तविक जीवन के व्यावसायिक वातावरण से अवगत कराना है, जिससे उन्हें व्यवहारिक कौशल एवं कार्य अनुभव प्राप्त करने में मदद मिले। इस योजना में आवेदन के लिए युवाओं की आयु 21 से 24 वर्ष निर्धारित की गई है। इसके लिए 10वीं पास वह युवा आवेदन कर सकते हैं जो किसी पूर्णकालिक रोजगार या शिक्षा में संलग्न नहीं हैं। ऑनलाइन और दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से अध्ययन करने वाले युवा इंटर्नशिप कार्यक्रम के लिए पात्र हैं। जिन उम्मीदवारों के परिवार की वार्षिक आय 8 लाख रुपये से अधिक है, वे इस इंटर्नशिप के लिए पात्र नहीं हैं। यदि परिवार का कोई सदस्य स्थायी सरकारी सेवा में है, तो ऐसे परिवार का कोई भी युवा पात्र नहीं है। इस योजना में आवेदन के लिए आधिकारिक वेबसाइट पर जाएं। दूसरे चरण में होम पेज पर दिए गए रजिस्ट्रेशन लिंक पर क्लिक करें। तीसरे चरण में अपना मोबाइल नंबर डालकर रजिस्टर करें। चौथे चरण में उम्मीदवार आवेदन पत्र के साथ जरूरी दस्तावेज अपलोड करें। पांचवें चरण में आवेदन पत्र की जांच कर उसे सबमिट करें और अंत में भविष्य के लिए आवेदन पत्र का प्रिंट आउट लें। युवा योजना संबंधी अधिक जानकारी के लिए निकटतम शासकीय इंजीनियरिंग, पॉलिटेक्निक या आईटीआई से संपर्क कर सकते हैं।

पीएम इंटर्नशिप योजना 2025 के तहत मिलेगा स्टाइपेंड

पीएम इंटर्नशिप योजना 2025 के तहत अभ्यर्थी को 5,000 रुपये प्रतिमाह स्टाइपेंड मिलेगा। इसके अलावा अभ्यर्थी को 6,000 रुपये की एकमुश्त धनराशि दी जाएगी। इंटर्नशिप की अवधि 12 माह की होगी।

जल गंगा संवर्धन अभियान का रीठी जनपद पंचायत के ग्राम पंचायत घुघरा मे हुआ शुभारम्भ

ग्रामीणों ने निकाली रैली,आयोजित की संगोष्ठी और बोरी बंधान श्रम दान कर किया जागरूक

कटनी। जन सहभागिता आधारित जल गंगा संवर्धन अभियान का शुभारंभ 30 मार्च को हुआ। जिसकी शुरूआत खंड स्तर पर रविवार को ग्राम पंचायत घुघरा स्थित सुमित्रा बिहार के समीप नदी पर स्थित शिव मंदिर में जनपद पंचायत रीठी के कार्यकारी जनपद अध्यक्ष श्री प्रकाश चंद्र शाहू वा उनके सहयोगी जनपद सदस्यो व जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों ने जल अभिषेक कर जल गंगा संवर्धन अभियान की शुरूआत की। सभी की जन सहभागिता से बोरी -बंधान कर किया श्रम दान , जन अभियान परिषद के छात्र छात्राओं महेश बर्मन,गणपत कोल,नीमा श्री कोदू लाल हल्दकर ने नुक्कड़ नाटक कर जल संरक्षण की सीख दी और रैली निकाल कर किया जागरूक जल जीवन मिशन के नेशनल ट्रेनर गोवर्धन रजक के द्वारा जल जीवन का महत्व व जल बजट कैसे बनाकर अपने ग्राम की 3 माह की कार्य योजना जनप्रतिनिधियों से बनवाई गई सभी ने अपने विचार -विमर्श कर सुझाव दिए। जनपद पंचायत रीठी के जनपद सद्स्य श्रीमती श्यामा बाई, श्रीमती मंजी बाई राजभर, भान सिंह सोलंकी, श्री भरत पटेल रीठी,श्री कमलेश कुमार पटेल,श्री संतोष माझी,श्री रतिलाल चौधरी, श्री केके कोल, ग्राम पंचायत सरपंच रैपुरा, एवं जन अभियान परिषद की नवांकुर संस्था के प्रतिनिधि मंडल ने अपने-अपने ग्राम स्तर पर 3 महीने की कार्य योजना बनाकर इस मुहिम को चलाने के लिए लिया संकल्प,इस अभियान अंतर्गत पंचायती राज विभाग मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सी एल पनिका जी, बिलहरी नायब तहसीलदार श्री आशीष चतुवेर्दी जी एसडीओ श्री कौशल नामदेव ,एपीओ श्री भागीरथ पटेल , अरविंद शाह जन अभियान परिषद, सचिव श्री सुरेश बेन देवराज केवट सह सचिव समस्त जनप्रतिनिधि एवं जन अभियान परिषद की ह्नवांकुर संस्था ग्राम विकाश प्रस्फुटन समितियां से सुरेंद्र पाठक कौशल किशोर, उमेश त्रिपाठी,मोहम्मद मुस्तकीम श्री कोदू लाल, लक्ष्मण चौधरी परामर्शदाता रूप बर्मन, गोवर्धन रजक एवं,छात्रों की सहभागिता रही।कार्यक्रम का समापन ग्राम पंचायत सरपंच श्री संजीव नायक के द्वारा आभार व्यक्त कर समापन किया गया।

बसस्टैंड आडिटोरियम में विक्रमोत्सव-2025 का हुआ भव्य आयोजन

जल गंगा संवर्धन अभियान का हुआ आगाज, विधायक, अधिकारियों सहित छात्रों ने मसुरहा घाट में किया श्रमदान

कटनी। नव वर्ष विक्रम संवत 2082 की शुरूआत पर 30 मार्च को बस स्टैंड स्थित आडिटोरियम में विक्रमोत्सव 2025 का भव्य आयोजन किया गया।कार्यक्रम अन्तर्गत भगवान सूर्य की उपासना की गई और विधि-विधान से ब्रह्मध्वज की स्थापना कर पूजा -अर्चना की गई।इसके बाद सम्राट विक्रमादित्य के जीवन पर आधारित नाट्य प्रस्तुतीकरण किया गया। शासन के निदेर्शों के अनुसार निकायों के विभिन्न जल स्त्रोतों नदी, तालाबों, कुओं, बावड़ी तथा अन्य जल स्त्रोतों को अविरल बनाये रखने हेतु इन संरचनाओं का संरक्षण एवं पुर्नजीवन किए जाने हेतु दिनांक 30 मार्च 2025 से 30 जून 2025 तक नदियों, तालाबों एवं अन्य जल संरचनाओं के पुनजीर्वीकरण / संरक्षण हेतु विक्रमोत्सव 2025-जल गंगा संवर्धन अभियान का शुभारंभ करते हुए जल संरक्षण एवं संवर्धन के लिए लोगों को प्रेरित करने बस स्टैंड ऑडिटोरियम से जल गंगा संवर्धन रैली निकाली गई। रैली को विधायक संदीप श्री प्रसाद जायसवाल और विधायक श्री धीरेंद्र बहादुर सिंह एवं जिला पंचायत सीईओ ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया,जो बस स्टैंड होते हुए कटनी शहर के मसुरहा घाट पहुंचीं। इस मौके पर आयुक्त नीलेश दुबे ने सभी को अवगत कराते हुए बताया कि यहाँ पर आए हुए छात्र-छात्राओं द्वारा 4 माह से लगातार नदियों के संरक्षण हेतु हर रविवार श्रमदान,अलग अलग क्षेत्रों में जाकर जागरूकता जैसे कार्यक्रम किए जाते हैं,आज के कार्यक्रम में सभी का स्वागत है,इस बार इस अभियान के तहत हम सब मिलकर जनसहयोग से शहर के सभी जल संरचनाओ के संरक्षण हेतु कार्य करेंगे,हम पुराने कचरे की सफाई के कार्य के साथ साथ लोगों को कचरा न फेकनें एवं गंदा ना करने हेतु जागरूक करते हुए जन-जन को इस अभियान से जोड़ेंगे। इस अवसर पर मुड़वारा विधायक संदीप श्री प्रसाद जायसवाल ने संबोधन देते हुए कहा कि हम सब इस बात को जानते हैं कि पानी कितना महत्वपूर्ण है,और कितनी तेजी से पानी की कमी हो रही है,इसके लिए वर्षों से अनेक योजनाएँ बनती आयी हैं, उसी कड़ी में हमारे माननीय मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव जी ने ये संकल्प लिया जो नगर निगम के माध्यम से एवं ग्रामीण क्षेत्रों में भी यह अभियान आज 30 मार्च से प्रारंभ होकर 30 जून तक चलाया जायेगा,जिसके अंतर्गत जल संरक्षण हेतु विभिन्न प्रयास किए जाएँगे,नगर निगम द्वारा जल संरक्षण हेतु और भी बड़े कार्य किए जा रहे हैं,जिससे निश्चित ही जल संरक्षण में हम सभी को सफलता मिलेगी। उद्बोधन के अगले क्रम में सीईओ जिला पंचायत श्री शिशिर गेमावत ने कहा कि इस अभियान में हमारा पूरा फोकस रहेगा कि हम नई जल संरचनाएँ बनायें,पुरानी जल संरचनाओं का जीर्णोद्धार करें एवं तालाब अन्य वॉटर बॉडी को जिनकी जल क्षमता कम हो गई है उनमें वृद्धि करें।अभियान का सबसे महत्वपूर्ण घटक समाज का जुड़ना है,सभी से अपील है कि अपने परिजनों,छात्रों के साथ इस अभियान में जुड़कर,श्रमदान,संसाधन किसी भी प्रकार से सहयोग अवश्य करें। श्रमदान के दौरान एसडीएम प्रदीप कुमार मिश्रा,डिप्टी कलेक्टर श्री विवेक गुप्ता,प्र कार्यपालन अधिकारी सुधीर मिश्रा,प्र सहा यंत्री आदेश जैन,सुनील सिंह,प्र.स्वास्थ्य अधिकारी संजय सोनी,उपयंत्री अश्वनी पांडेय,मृदुल श्रीवास्तव,ब्रांड एंबेसडर आशुतोष मानके सहित ओम साईं विजन,छात्र-छात्राओं की टीम एवं नगर निगम के अन्य अधिकारी कर्मचारियों की उपस्थिति रही।

जनसहयोग से ग्राम पंचायत बाकल में तालाब बंड में चला सफाई अभियान

पुरानी जल संरचनाओं के संरक्षण की ली गई शपथ

कटनी। कलेक्टर दिलीप कुमार यादव के निर्देश पर जिले में रविवार से प्रारंभ हुए जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत ग्राम पंचायत बाकल में तालाब बंड विस्तार पावर हाउस के पास में ग्राम के जनप्रतिनिधि व आम जनमानस के जन सहयोग किया गया। इस दौरान शंकर जी के मंदिर से कलश यात्रा निकाली गई व मंदिर के आसपास सफाई की गई। जल संरचना में जन सहयोग से कचरे को तालाब से बाहर निकाला गया लोगों ने श्रमदान करके तालाब की साफ सफाई की तथा झाड़ू लगाकर कचरे को एकत्रित कर तालाब से बाहर निकाला गया। इसके उपरांत जनपद पंचायत सीईओ अभिषेक कुमार द्वारा उपस्थित जनप्रतिनिधियों व आम जनों को जल संरक्षण व संवर्धन किए जाने, पुरानी जल संरचनाओं के संरक्षण की शपथ दिलाई गई। विदित हो कि मध्य प्रदेश शासन द्वारा मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के नेतृत्व में एवं मार्गदर्शन में जल गंगा संवर्धन अभियान का शुभारंभ 30 मार्च से किया गया है यह अभियान 30 मार्च से प्रारंभ होकर 30 जून तक निरंतर चलेगा, जिसमें विभिन्न विभागों की समेकित पहल से व जन समुदाय के सहयोग से श्रमदान से नवीन जल संरचनाओं का निर्माण, भूजल संवर्धन पहले से मौजूद जल संरचनाओं की साफ सफाई, जीणोद्धार मरम्मत ,जल स्रोतों में प्रदूषण के स्तर को कम करना जल वितरण संरचनाओं की साफ सफाई के कार्य प्राथमिकता से किए जाएंगे। इस अभियान में समाज और सरकार की साझेदारी से जलसंरचना का संरक्षण व संवर्धन जन आंदोलन के माध्यम से किया जाना है।

बड़वारा खुर्द मे दतिला नदी के सलैया घाट की साफ -सफाई

कटनी। विकासखंड बड़वारा के ग्राम बड़वारा खुर्द मे दतिला नदी के सलैया घाट मे जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत नदी संरक्षण साफ -सफाई कार्य एवं बोरी-बंधान कार्य किया गया। इस कार्य में उपस्थित जनपद सदस्य विनय नागवंशी, नवांकुर संस्था अंचला ग्राम विकास समिति धनवारा से रघुवीर सिंह, ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति महगवा (बरछैका), से हरभगत सिंह,, परामर्शदाता धनीराम कुशवाहा, कंछेदी कोरी, दुर्गा प्रसाद कुशवाहा, प्रियंका रजक प्रस्फूटन समिति बछरवारा से सभ्या चौधरी अंग्रेज सिंह सलैया खुर्द , कविता सिंह लोहखान, कमलेश पटेल और राजेश कुमार,अनुराधा सतनामी दामिनी केवट प्रिया यादव सीमा सिंह आदित्य यादव भारत ज्योति, बेबी अकंरे,नेहा चौधरी, भूपेंद्र यादव मुकेश कुमार कोल, खुशबू सिंह आकृति महोबिया, उमाकांत विश्वकर्मा बलिराम राधा विश्वकर्मा आनंद विश्वकर्मा प्रीति विश्वकर्मा, शिवानी विश्वकर्मा,फग्गू लाल केवट, उत्तम विजय शंकर चौहान छोटी बाई पुष्पा बाई आदि ग्राम वासियों की उपस्थिति रही।

अप्रैल फूल-डे स्पेशल

कल्पना कीजिए अगर हम हंसें नहीं, कोई हमें हंसाए नहीं तो जीवन में कितनी बोझिलता, नीरसता आ जाएगी! इस नीरसता को दूर करने के लिए हजारों साल से जोक्स सुनने और सुनाने की परंपरा बरकरार है। आज के दौर में इसकी महत्ता और बढ़ गई है। अप्रैल फूल हमें अपनों के साथ ऐसे ही जोकिंग का अवसर देता है, जिसे हमें बिल्कुल मिस नहीं करना चाहिए।

सुनिए-सुनाइए जोक्स लाइफ बनेगी हेल्दी-हैप्पी

डॉक्टरः चिंता मत करो, यह छोटी सी सर्जरी है, घबराने की कोई बात नहीं!
***मरीजः** लेकिन डॉक्टर, मैं तो ऑपरेशन के लिए नहीं आया था!*
***डॉक्टरः** अरे हां, सॉरी! मुझे आदत हो गई है ऐसा कहने की..!*

यह जोक सरप्राइज एलिमेंट (अचानक ट्विस्ट) पर आधारित है, जो दिमाग को एक पल में चौंकाकर हंसा देता है। ऐसा होते ही अचानक पैदा हुआ तनाव गायब हो जाता है, जिससे मूड हल्का और फ्रेश महसूस होता है। कुछ सेकेंड्स का एक जोक या चुटकुला हमें पलभर में तरोताजा कर देता है, क्योंकि जोक्स का प्रभाव हमारे दिमाग और शरीर दोनों पर पड़ता है। जब हम हंसते हैं, तो हमारा मस्तिष्क एंडोर्फिन (खुशी के हार्मोन) छोड़ता है, जिससे तनाव कम होता है और हम रिलैक्स महसूस करते हैं। इसके अलावा, हंसी से ब्लड सर्कुलेशन बेहतर होता है, मांसपेशियों में आराम आता है और मूड फ्रेश हो जाता है। शायद इसी की महत्ता को समझते हुए अप्रैल फूल-डे जैसे आयोजनों की शुरुआत हुई।

हजारों साल पुरानी परंपराः दुनिया में जोक्स और हास्य की परंपरा उतनी ही पुरानी है, जितना पुराना खुद इंसान है, इंसानी सभ्यता है। सबसे पुराने दर्ज जोक्स लगभग 4000 साल पुराने हैं। दुनिया के सबसे पुराने दर्ज जोक्स प्राचीन मेसोपोटामिया (1900 ईसा पूर्व) के हैं। प्राचीन मिस्र (1600 ईसा पूर्व) की सभ्यता में फिरौन के दरबारों में भी जोक्स सुनाए जाते थे। एक मशहूर चुटकुला इस तरह है- 'एक फिरौन अपनी नाव में यात्रा कर रहा था। एक भविष्यवक्ता ने कहा कि वह बहुत लंबी उम्र जिएगा। फिरौन ने पूछा-क्या मैं 100 साल जिऊंगा? भविष्यवक्ता बोला-हां। फिरौन ने पूछा-क्या मैं 200 साल जिऊंगा? भविष्यवक्ता बोला-बिल्कुल! फिरौन खुश हुआ और कहा-तो मैं अमर हूं! भविष्यवक्ता ने कहा-नहीं, लेकिन जब तक तुम मुझसे सवाल पूछते रहोगे, तब तक मैं हां कहता रहूंगा!'

वास्तव में यह राजाओं की चापलूसी और भविष्यवाणियों का मजाक उड़ाने का तरीका था। ग्रीक दार्शनिक प्लेटो और अरस्तू ने भी हास्य को जीवन के महत्वपूर्ण हिस्से के रूप में देखा है। प्राचीन एथेंस में एक जोकर क्लब था, जिसके दर्जनों जोक्स आज भी मिलते हैं, मसलन- 'एक आदमी डॉक्टर के पास गया और कहा- जब मैं आंखें खोलता हूं, तो मुझे कुछ नहीं दिखता! डॉक्टर बोला- तो आंखें बंद करके देखो!'

भारतीय इतिहास में भी है जिक्रः मिस्र और एथेंस की तरह प्राचीन भारत में भी संस्कृत साहित्य (नाट्यशास्त्र, पंचतंत्र, हितोपदेश, विदूषक पात्र) में हास्य व्यंग्य का भरपूर जिक्र मिलता है। पंचतंत्र की कहानियों में चतुराई भरे जोक्स और व्यंग्य हैं। भारतीय इतिहास में राजाओं के दरबारों में विद्वान विदूषकों जैसे तेनालीराम और बीरबल की भी मौजूदगी रही है, जो अपने बुद्धि-कौशल से सिर्फ दरबार का माहौल ही बोझिल होने से नहीं बचाते थे बल्कि हतप्रभ करने वाली चतुराई भरी बातें करके राजा सहित दरबारियों को हैरान कर देते थे, जिससे सभी तरोताजा महसूस करते थे।

नए दौर में जोक्स का जलवाः जोक्स का आधुनिक और व्यापक दौर 18वीं-19वीं शताब्दी में अखबारों और किताबों में जोक्स छपने से शुरू हुआ। बीसवीं शताब्दी के उत्तरार्ध तक रेडियो, टीवी के कॉमेडी शो और स्टैंड-अप कॉमेडी से जोक्स हर जगह और अधिकतर लोगों तक पहुंचने लगे। इस 21वीं शताब्दी में इंटरनेट, सोशल मीडिया और मीम्स के रूप में जोक्स का जलवा हम सब देखते हैं। वास्तव में जोक्स का सबसे तेज और वैरायटी से भरा विकास इसी दौर में हो रहा है।

इसलिए जरूरी हैं जोक्सः सवाल है हर सभ्यता में, हर दौर में यानी जीवन में हमेशा जोक्स क्यों जरूरी माने जाते रहे हैं? जवाब है- जोक्स केवल हंसाने भर के लिए नहीं होते, बल्कि ये मानसिक स्वास्थ्य, सामाजिक संबंध और भावनात्मक संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ये हमारे तनाव को कम करते हैं, हमें हंसाते हैं और हंसने से शरीर में एंडोर्फिन (खुशी के हार्मोन) का स्तर बढ़ता है, जो तनाव और दर्द दोनों को गायब करने में मदद करता है। चुटकुलों या जोक्स से इंसान को मनोवैज्ञानिक सुरक्षा मिलती है, क्योंकि कठिन परिस्थितियों में हास्य एक सुरक्षातंत्र की तरह काम करता है, जिससे व्यक्ति समस्याओं को हल्के-फुल्के तरीके से देख पाता है। साथ ही जोक्स हमें सामाजिक रूप से लोगों के साथ जोड़ता है। जोक्स साझा करने से लोगों के बीच नजदीकी बढ़ती है और यह सोशल बॉन्डिंग को मजबूत करता है। साथ ही जोक्स से हमारी क्रिएटिविटी बढ़ती है। हास्य हमें चीजों को नए नजरिए से देखने और समस्याओं का हल अनोखे तरीके से निकालने में मदद करता है। यह कहना भी गलत नहीं होगा कि आधुनिक तनाव भरी जीवनशैली में जोक्स और ज्यादा महत्वपूर्ण हो गए हैं, क्योंकि आज अधिकांश लोग काम के दबाव, सोशल मीडिया, आर्थिक चिंताओं और रिश्तों की उलझनों से घिरे रहते हैं। ऐसे में हास्य और जोक्स बेहद जरूरी हो गए हैं। *

जोक्स सुनाने वाले होते हैं ज्यादा स्मार्ट

ऐसा देखा गया है कि सामान्य तौर पर, अच्छा सेंस ऑफ ह्यूमर किसी व्यक्ति की बुद्धिमत्ता (आईक्यू) और भावनात्मक समझ (ईक्यू) दोनों के बेहतर होने का सबूत होता है। क्योंकि जोक्स बनाने और सुनाने के लिए तेज दिमाग और सोचने की त्वरित क्षमता यानी 'क्विक विट' की जरूरत होती है। यही नहीं मजेदार लोग आमतौर पर बेहतर कम्युनिकेशन स्किल्स और लोगों को बेहतर पढ़ने और समझने की क्षमता रखते हैं। ऐसे लोग चीजों को अलग-अलग दृष्टिकोण से देखने में सक्षम होते हैं, जिससे वे मुश्किल परिस्थितियों से आसानी से निपट लेते हैं। इसलिए, जोक्स और हास्य में रुचि रखने वाले लोग अकसर ज्यादा स्मार्ट होते हैं। कई शोधों में पाया गया है कि महिलाएं मजाकिया और हंसाने वाले पुरुषों की तरफ अधिक आकर्षित होती हैं। जो लोग मजाकिया होते हैं, वे आमतौर पर आत्मविश्वासी होते हैं और पुरुषों का आत्मविश्वास महिलाओं को हमेशा आकर्षित करता है। मजाकिया लोग अकसर दूसरों के साथ घुल-मिल भी बहुत जल्दी जाते हैं, जिससे वे ज्यादा सामाजिक दिखते हैं।

दिलचस्प-विविधतापूर्ण अप्रैल फूल का इतिहास

अप्रैल फूल डे यानी मूर्ख दिवस आज भले ही दुनिया भर में लोग मनाते हैं। लेकिन इसकी शुरुआत को लेकर अनेक तरह की मान्यताएं और किंवदंतियां प्रचलित हैं। अप्रैल फूल डे के इतिहास और इससे जुड़े तथ्यों पर एक नजर।

साइबेले के सम्मान में 25 मार्च को मनाया जाने वाला यह उत्सव लोगों को भेष बदलने के लिए प्रेरित करता था। यह खेल और शरारतों का दिन माना जाता था। लोग तरह-तरह की अनूठी वेशभूषा पहन कर एक-दूसरे के साथ मजाक करते थे। वर्ष का पहला दिन यानी उत्सव का दिन, जो रात से अधिक लंबा था और इसे एक नए, बेहतर मौसम और उदास सर्दियों के अंत का जश्न मनाने में बिताया गया था। हिलारिया के दौरान कई प्रकार के खेल और मस्ती मनोरंजन किए जाते थे। इसमें छद्म वेश धारण कर लोग अपनी पसंद के किसी भी व्यक्ति की नकल करते थे।

अप्रैल फूल के दिन यानी पहली अप्रैल को झूठी बातों से मूर्ख बनाने या मजाक करने का सिलसिला सदियों से चला आ रहा है। हालांकि इस दिवस की वास्तविक शुरुआत अज्ञात है, लेकिन इसकी शुरुआत को लेकर तरह-तरह के दिलचस्प और रहस्यमय किस्से प्रचलित हैं।

हास्य कथा से शुरुआत

अप्रैल फूल से जुड़ी एक मान्यता है कि इसकी शुरुआत 16वीं शताब्दी में फ्रांस में हुई थी। अप्रैल फूल दिवस पर सबसे पहला प्रैंक 1 अप्रैल 1698 को खेला गया था। यह मजाक लंदन के एक समाचार पत्र में प्रकाशित हास्य खबर थी। इसमें मजाकिया अंदाज में लिखा गया था कि दिन के समय चंद्रमा पृथ्वी से दिखाई दिया था।

मध्यकाल के हिलारिया से शुरुआत

कुछ इतिहासकारों ने अप्रैल फूल डे को प्राचीन रोमन उत्सव हिलारिया से जोड़ा है। देवताओं की माता

कैलेंडर बदलाव के साथ शुरुआत

एक लोकप्रिय मान्यता यह है कि इसकी शुरुआत 1582 में हुई। उस समय फ्रांस ने जूलियन से बदल कर

ग्रेगोरियन कैलेंडर शुरू किया था। इस बदलाव से पहले, लोग अप्रैल में नया साल मनाते थे। जब तारीख 1 जनवरी को बदल दी गई, तो भी अज्ञानतावश कुछ लोगों ने इसे मार्च के अंत में मनाना जारी रखा और मजाक का पात्र बन गए और उन्हें 'अप्रैल फूल' कहा गया। *

कुछ दिलचस्प तथ्य-मान्यताएं

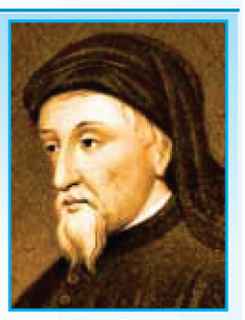
कवि जेफ्री चौसर

मूर्ख दिवस की शुरुआत को लेकर कुछ और मान्यताएं भी प्रचलित हैं।

- ईरान में अप्रैल फूल दिवस, फारसी नववर्ष के 13वें दिन मनाया जाता है, जो आमतौर पर 1 अप्रैल के आस-पास होता है।
- अमेरिकी कार्टूनिस्ट चार्ल्स शुल्ज द्वारा बनाई गई प्रसिद्ध कॉमिक स्ट्रिप 'पीनट्स' में अप्रैल फूल नामक एक पात्र था, जो अपने दोस्तों के साथ शरारतें करता था।
- मध्ययुगीन यूरोप में 'मूर्खों का पर्व' मनाया जाता था, जो मजाक का दिन था। वहां लोग एक नकली बिशप या पोप का चुनाव करते थे और मजाक में शामिल होते थे। कुछ हद तक, अप्रैल फूल दिवस को सर्दियों के अंत और वसंत की शुरुआत को चिन्हित करने वाले त्योहारों से जोड़ा जा सकता है।
- इंग्लिश लेखक और कवि जेफ्री चौसर की द कैंटरबरी टेल्स (1392) में 1 अप्रैल और मूर्खता के बीच पहली बार कनेक्शन दर्ज किया गया था। 'द नंस प्रीस्ट्स टेल' नामक कथा में चैंटिकलर का वर्णन है, जो एक घमंडी मुर्गा है, जिसे एक चालाक लोमड़ी द्वारा धोखा दिया जाता है।
- स्कॉटलैंड में अप्रैल फूल दिवस को पारंपरिक रूप से 'हंटिगॉक डे' कहा जाता था, जो 'हंट द गॉक' से निकला है, 'गॉक' शब्द स्कॉटिश भाषा में कोयल या मूर्ख व्यक्ति के लिए इस्तेमाल होता है। यह स्कॉटिश परंपरा दो दिवसीय कार्यक्रम बन गई, जिसमें लोगों को नकली कामों (हंकटिंग द गॉक) पर भेजा जाता था, उसके बाद टेल डे मनाया जाता था, जिसमें लोगों की पीठ पर नकली पूंछ या 'मुझे लात मारो' के चिन्ह लगाने जैसे मजाक करना शामिल था।

अप्रैल फूल के मजेदार-अनूठे प्रैंक

अप्रैल फूल डे पर हम सब एक-दूसरे के साथ प्रैंक करते हैं, मजा लेते हैं। यहां आपको कुछ ऐसे प्रैंक्स के बारे में बता रहे हैं, जो मशहूर कंपनियों ने बड़े स्तर पर लोगों से किए।

पहली अप्रैल को मित्र मंडली में एक-दूसरे से हंसी-मजाक करने और मूर्ख बनाने की परिपाटी दशकों से है। लेकिन इस मजाक मस्ती में बड़ी-बड़ी कंपनियां, सर्च इंजन और सेलिब्रिटीज भी पीछे नहीं हैं। इनमें से कुछ के बारे में आप भी जानिए।

अमेजन का पेटलेक्साः वर्ष 2017 में, अमेजन ने एलेक्सा की तर्ज पर पालतू जानवरों के लिए एक वॉयस असिस्टेंट, पेटलेक्सा की घोषणा की। इस मजेदार वीडियो में कुत्तों और बिल्लियों को अमेजन इको डिवाइस के साथ बातचीत करते हुए दिखाया गया था। इसमें पालतू जानवरों के लिए ट्रीट ऑर्डर करना, उनके लिए संगीत बजाना और यहां तक कि उनके भौंकने को मानवीय भाषा में अनुवाद करना भी शामिल था। पालतू जानवरों के मालिक इस नए आईडिया से हैरान हुए लेकिन यह सिर्फ एक मजाक था।

वर्जिन ऑस्ट्रेलिया एयरलाइंस का डॉग क्रू प्रैंकः वर्ष 2017 में वर्जिन ऑस्ट्रेलिया एयरलाइंस ने अप्रैल फूल के दिन अपने यात्रियों के बीच समाचार फैलाया कि अब उन्हें दुनिया की पहली डॉग इनफ्लाइट क्रू मेंबर टीम मिलेगी। इसमें वे अपने कुत्ते के साथ गलियारे में टहलते हुए, समय बिताने के लिए प्यारे कुत्तों को गले लगाने तक, डॉग क्रू की नई सेवाएं ले सकते हैं। बाद में लोगों को असलियत का पता चला तो उन्हें अपने आप पर खूब हंसी आई।

गूगल का 'माइक ड्रॉप' ई-मेल बटनः गूगल ने वर्ष 2016 में अप्रैल फूल बनाने के लिए जी-मेल में 'माइक ड्रॉप' बटन पेश किया, जिससे इसके यूजर माइक्रोफोन गिराने का जीआईएफ वाला ई-मेल भेज सकते थे। दुर्भाग्य से, इससे काफी गड़बड़ियां हो गईं। गलत मैसेज जाने पर कुछ लोगों की तो नौकरियां चली गईं। गूगल को माफी मांगते हुए तुरंत इसे बंद करना पड़ा।

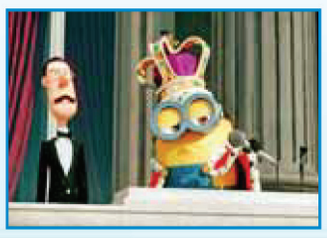

कांच के बॉटम वाला हवाई जहाजः एक बार वर्जिन अटलांटिक एयर लाइंस ने अफवाह फैला दी कि इसके पास अब ग्लास-बॉटम वाले यानी पारदर्शी तल वाले विमान भी हैं। उन्होंने 'दुनिया के पहले ग्लास-बॉटम वाले विमान' के समाचारों के साथ सुर्खियां बटोरीं। नए विमान की तस्वीरें खूब प्रसारित की गईं। उनके इस मजाक पर लोगों ने यकीन भी कर लिया।

टैको लिबर्टी बेलः वर्ष 1996 से अब तक के सबसे बेहतरीन अप्रैल फूल मजाक में शामिल इस शिगूफे में टैको बेल नामक कंपनी ने अखबारों में विज्ञापन देकर कहा कि उसने ऐतिहासिक और नेशनल आइकन लिबर्टी बेल को खरीद लिया है। यह इतना गंभीर और वास्तविक मजाक था कि कुछ सीनेटर भी इस मजाक में फंस गए। बाद में नेशनल पार्क सर्विस ने इस खबर का खंडन करने के लिए एक प्रेस कांफ्रेंस भी की। दोपहर में, फास्ट-फूड चेन ने मजाक को स्वीकार किया और कहा कि वह इस ऐतिहासिक घंटी की देखभाल के लिए 50,000 डॉलर का दान कर रही है।

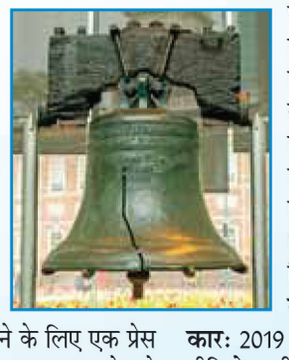

हवाई अड्डे पर कर दिया कंफ्यूजः वर्ष 1992 में लॉस एंजिल्स हवाई अड्डे पर विमान यात्री ज्यों ही उतरे, वे एक बैनर देखकर चकरा गए कि उन्होंने तो लॉस एंजिल्स की फ्लाइट पकड़ी थी फिर पायलट उन्हें शिकागो कैसे ले आया? इस बैनर पर लिखा था, शिकागो में आपका स्वागत है। यह 85 फीट लंबा पीला बैनर था, जिस पर 20 फीट लंबे लाल अक्षरों में ऐसी घोषणा थी। यह बैनर हॉलीवुड पार्क रेस ट्रैक के ठीक ऊपर लटका हुआ था और आने वाले प्रत्येक यात्री को दिखाई दे रहा था। लेकिन जल्द ही वास्तविक स्थिति सबको बता दी गई।

बीएमडब्ल्यू की सेल्फ-क्लीनिंग कारः 2019 में कार कंपनी बीएमडब्ल्यू ने एक वीडियो जारी कर दावा किया कि उन्होंने एक सेल्फ-क्लीनिंग कार विकसित की है। वीडियो में एक कार को ब्रश और पानी के जेट से खुद ही साफ होते हुए दिखाया गया था। वास्तव में यह एक बड़ा प्रैंक था। *

करते रहते घोटाले

करते रहते घोटाले
कितने हिम्मत वाले हैं।
इनके सारे ही 'करतब',
बिल्कुल तवे-से काले हैं।
पुलिस का इनको खौफ नहीं,
नेताजी इनके साले हैं।
यार-दोस्त इनके सारे,
चक्कू-पिस्टल वाले हैं।

एक नहीं, कई दर्जन,
गुर्गे इन्होंने पाले हैं।
इनसे पंगा मत लेना,
नहीं बख्शने वाले हैं।
ब्लैकमनी को कर दें 'व्हाइट',
इनके खेल निराले हैं।
ये छोटे पैग दूर हटाओ,
ये पीते पटियाले हैं।

अंतरराष्ट्रीय बाल पुस्तक दिवसः 2 अप्रैल, विशेष

एक से बढ़कर एक शानदार परीकथाओं के लेखक हैंस क्रिश्चियन एंडरसन के जन्मदिन (2 अप्रैल) को अंतरराष्ट्रीय बाल पुस्तक दिवस के रूप में मनाते हैं। इस अवसर पर उनके रचनात्मक अवदान पर एक दृष्टि।

परीकथाओं का महान चितेरा हैंस क्रिश्चियन एंडरसन

आगामी 2 अप्रैल को हैंस क्रिश्चियन एंडरसन (1805-1875) का जन्मदिन है। वह एक महान किस्सागो थे, जिन्होंने अपने जीवन में अनेक पुस्तकें लिखीं। लेकिन दुनिया भर में उन्हें उनकी लिखी हुई बच्चों की परीकथाओं की वजह से ज्यादा जाना जाता है। उनकी लिखी एक सौ छप्पन परीकथाएं, नौ किताबों में संकलित हैं। इनके दुनिया भर में एक सौ साठ से अधिक भाषाओं में अनुवाद हुए हैं। कुछ देशों में तो उनकी कहानियां स्कूलों में पाठ के रूप में पढ़ाई भी जाती हैं। ये कहानियां, बच्चों से लेकर बड़ों तक, हर वर्ग के बीच पढ़ी और सराही जाती हैं। यह अपनी तरह की बड़ी मिसाल है। बेशक इस काम में डिज्नी की एनिमेटेड फिल्मों ने भी अपना एक बड़ा योगदान दिया है।

एंडरसन का रचना संसारः एंडरसन का जन्म डेनमार्क में कोपेनहेगन के नजदीक ओडेंस नामक स्थान में हुआ था। गरीब और पिछड़े घर में जन्म लेने के कारण इन्हें जीवन भर संघर्ष करना पड़ा। उन्होंने शुरू में कुछ नाटक लिखे फिर कुछ आत्म-कथात्मक उपन्यास। उनकी पहली कहानियों की किताब 'बच्चों के लिए कहानियां' साल 1835 में छपकर आई। इसमें एंडरसन ने एक साथ नौ परीकथाएं संकलित की थीं। उनका कहानियां लिखने का यह काम आगे भी लगातार जारी रहा। एंडरसन का कहानी कहने का तरीका काफी अलग और अनोखा था। वे अपनी कल्पना की ताकत के साथ लोक-कथाओं की सरलता भी पिरो देते थे। इससे उनकी ये कहानियां अपने में विभिन्न संस्कृतियों की बातें भी कहती दिखती थीं। इस विषेषता के कारण उनका नाम यूरोप समेत पूरी दुनिया में प्रसिद्ध हो गया।

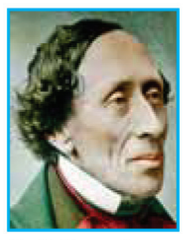
हैंस क्रिश्चियन एंडरसन

जीवन में किया भरपूर संघर्षः एंडरसन महान लेखक थे, लेकिन उनके जीवन में भी कम संघर्ष नहीं थे। एंडरसन बड़े हिम्मती और जुझारू थे। वे अपने अकेलेपन और दुख को बड़ी कुशलता से अपनी कहानियों का हिस्सा बना देते थे। उनकी यह सजगता उनकी लिखी कहानियों को सुंदर बनाती है। उनकी यह विशेषता, एंडरसन के जीवन की घटनाओं और उनकी बहुत सी रचनाओं पर शोध करने वालों ने पता लगाई है। एंडरसन की लिखी बहुत सी कहानियां उनके बाद के बहुत से लेखकों की प्रेरणा बनीं। उन्होंने भी इनका मर्म अपनी तरह से समझते हुए कई अनोखी रचनाएं की हैं।

एंडरसन की कुछ खूबियां और भी थीं, जिससे वे गजब के कलाकार भी माने जाते थे। वे अपने शुरू के दिनों से नाटकों की दुनिया से जुड़े थे। इसके अलावा कलम और ब्रश की मदद से स्याही के चित्र भी बना लेते थे। कागज की कतरनें चिपका कर कोलाज बनाना भी उन्हें पसंद था। इसके अलावा वे अनोखे किस्सागो थे। जो बच्चों के बीच अकसर किस्से सुनाते हुए बातों-बातों में कैंची से किसी कागज को काटकर तरह-तरह की आकृतियां बना देते थे। अंग्रेजी में इस तरीके से बनी आकृतियों को 'सिल्हूट' कहा जाता है। कुछ साल पहले जर्मनी के ब्रेमेन शहर में एंडरसन के ऐसे ही बहुत से तरह-तरह के चित्रों को जुटाकर एक बड़ी प्रदर्शनी में दिखाया गया था।

संजोई गई हैं उनकी स्मृतियांः आज भी एंडरसन की याद और सम्मान में दुनिया के कोने-कोने में तरह-तरह की बहुत सी गतिविधियां होती रहती हैं। इनमें उन पर डाक-टिकट निकालने से लेकर किसी अवसर-विशेष पर प्रदर्शनियां लगाने और जगहों के नाम रखने की बातें भी

टाइट है हिंदी मीडियम

प्रभात रंजन जिस भी विधा में लिखते हैं, अपने अलहदा अंदाज में लिखते हैं। हाल में ही उनकी लिखी एक किताब आई है- हिंदी मीडियम टाइट। इसे किसी एक विधा में बांधकर नहीं देखा जा सकता है। इसे पढ़ते हुए संस्मरण, रेखाचित्र और व्यंग्य शैली में लिखे गए आत्मकथात्मक उपन्यास का आनंद एक साथ लिया जा सकता है। इसमें प्रभात ने दिल्ली के प्रतिष्ठित हिंदू कॉलेज में बिताए अपने छात्र जीवन की उन स्मृतियों को संजोया है, जिससे उस दौर में हिंदी पढ़ने और पढ़ाने वालों की हीन भावना प्रकट होती है। कहना चाहिए कि इसके बहाने लेखक ने उस सामाजिक मानसिकता को भी उजागर किया है, जो एक भाषा का जानकार होते हुए भी दूसरी प्रतिष्ठित मानी जाने वाली भाषा पर कमजोर पकड़ के कारण, पूरे व्यक्तित्व को हीनता बोध से ग्रस्त कर देती है। यह किताब हिंदी प्रेमियों, हिंदी के छात्रों, हिंदी के अध्यापकों और हिंदी साहित्यकारों को ही नहीं, हर उस व्यक्ति को भी पढ़नी चाहिए, जो हिंदी को एक भाषा के रूप में नहीं देखते बल्कि पढ़े-लिखे और संभ्रांत समाज में प्रतिष्ठित होने के लिए गैरजरूरी मानते हैं। *

पुस्तकः हिंदी मीडियम टाइट, **लेखकः** प्रभात रंजन,
मूल्यः 225 रुपए, **प्रकाशकः** राजपाल एंड संस, दिल्ली

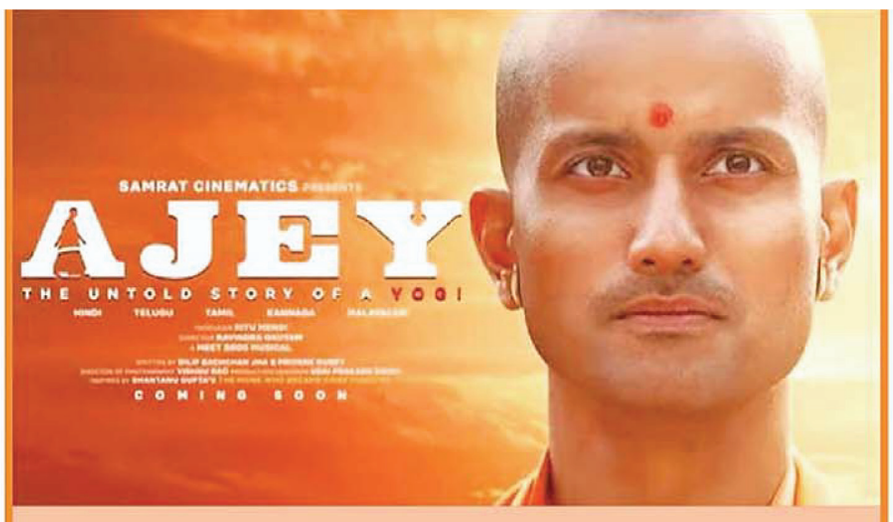

योगी आदित्यनाथ की बायोपिक की पहली झलक आई सामने

एक्टर अनंत जोशी भगवा रंग में आए नजर

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर अब फिल्म बन रही है जिसका नाम है 'अजेयः द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ योगी' फिल्म की पहली झलक सामने आ गई है। फिल्म के मोशन पोस्टर को शेयर किया गया है जिसमें एक्टर को अनंत जोशी को भगवा रंग के कपड़ों में देखा जा सकता है। मोशन पोस्टर में योगी आदित्यनाथ की जर्नी दिखाने की कोशिश की गई। इस वीडियो में उनका आम जीवन, आध्यात्मिक और राजनीति जर्नी की एक झलक है। फिल्म में इसे विस्तार से दिखाया जाएगा।

● फिल्म को सम्राट सिनेमैटिक्स के तले बनाया जा रहा है। ऋतू मेंगी फिल्म की प्रोड्यूसर और रवींद्र गौतम ने डायरेक्शन की कमान संभाली है। फिल्म शांतनु गुप्ता की लिखित किताब 'द मॉन्क हू बिकेम चीफ मिनिस्टर पर आधारित है। इस फिल्म में उनके राजनीतिक फैसलों, त्याग, भगवान से उनका रिश्ता दिखाया जाएगा। योगी आदित्यनाथ की इस बायोपिक में एक्टर अनंत जोशी लीड रोल में हैं जिन्हें आपने रवि किशन की वेब सीरीज 'मामला लीगल है' में देखा होगा। इनके अलावा भोजपुरी एक्टर दिनेश लाल यादव यानी निरहुआ, अजय मेंगी, पवन मल्होत्रा, गरिमा सिंह, ईशान खट्टर के पिता राजेश खट्टर अहम रोल निभाते दिखेंगे। फिल्म के डायरेक्टर रवींद्र गौरम ने हाल में दिए एक इंटरव्यू में कहा, "हमारी फिल्म हमारे देश के युवाओं के लिए प्रेरणादायक है, जिसमें उत्तराखंड के एक सुदूर गांव के एक साधारण मीडिल क्लास के लड़के को दिखाया गया है, जो भारत के सबसे अधिक आबादी वाले राज्य का मुख्यमंत्री बन जाता है। उनकी यात्रा दृढ़ संकल्प, निस्वार्थता, विश्वास और नेतृत्व की है, और हमने एक ऐसा कुछ बनाने के लिए कड़ी मेहनत की है जो उनके अविश्वसनीय जीवन के साथ न्याय करता है।ह बता दें, इस फिल्म को हिंदी के अलावा तमिल, तेलुगू, मलयालम, कन्नड़ भाषाओं में रिलीज किया जाएगा।

'सिकंदर' से हटाए गए 14 मिनट 28 सेकेंड के सीन्स

सलमान खान की फिल्म 'सिकंदर' चार दिन बाद 30 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। सेंसर बोर्ड ने U/A सर्टिफिकेट के साथ फिल्म को पास कर दिया है और कोई कट्स नहीं लगाए हैं। लेकिन अब खबर आ रही है कि फिल्म के मेकर्स ने खुद ही स्वेच्छा से फिल्म को 14 मिनट और 28 सेकंड छोटा करने का फैसला किया है। इस कारण एडिटिंग टेबल पर कई सीन्स पर कैंची चल गई है। 'बॉलीवुड हंगामा' की रिपोर्ट के मुताबिक, मेकर्स ने रिलीज से ठीक पहले 'सिकंदर' के 26 सीन्स को छोटा किया है। हालांकि, अच्छी खबर ये है कि ट्रेलर और टीजर में जिन एक्शन सीन्स पर फैंस तालियां बजा रहे हैं, उनमें कोई छेड़छाड़ नहीं की गई है। बताया जाता है कि फिल्म में एक डायलॉग था 'ऑफर औकात के बाहर था' इस सीन को हटा दिया गया है।

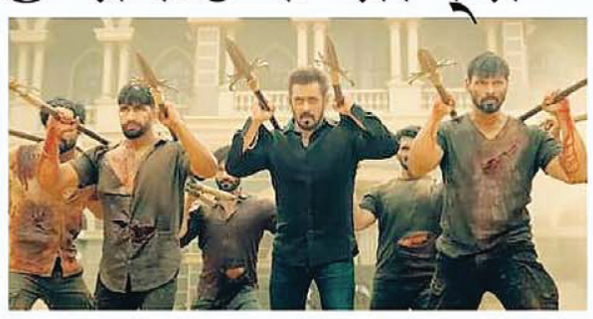

● इसके अलावा 'चार मिस्ड कॉल...चलो राजकोट' डायलॉग वाले सीन को 2 मिनट 26 सेकेंड, 'उसे लेके आता हूं' डायलॉग वाले 1 मिनट 12 सेकेंड का सीन और 'आ गए आ गए...बुरे पति' डायलॉग वाले 4 मिनट के सीन को छोटा गया है। इसी कड़ी में, 'सिकंदर' में एक सीन है, जहां सलमान खान 'अजीब दास्तां है ये...' गुनगुनाते हैं, इस सीन को भी 11 सेकेंड छोटा कर दिया गया है। इसके अलावा, 'ये सिर्फ सैंपल था' डायलॉग वाले एक सीन को भी 40 सेकेंड छोटा कर दिया गया है। जानकारी के लिए बता दें कि इससे पहले, सेंसर बोर्ड ने फिल्म में दो मामूली बदलाव के साथ 'सिकंदर' को रलीज सर्टिफिकेट सौंप दिया है। सेंसर सर्टिफिकेट के मुताबिक, फल्मि की लंबाई 150 .08 मिनट है। यानी रनटाइम 2 घंटे 30 मिनट और 8 सेकंड है। CBFC ने जो दो बदलाव सुझाए हैं, उनमें फिल्म में 'होम मिनस्टिर' में से 'होम' शब्द हटाने के लिए कहा गया। साथ ही एक सीन में एक राजनीतिक पार्टी का बैनर दिख रहा था, जिसे ब्लर करने को कहा गया है।

ओटीटी की दुनिया का बादशाह है अजय देवगन !

वसूली थी शाहरुख और सलमान खान से ज्यादा फीस

भारत में जब शोज की आनलाइन स्ट्रीमिंग शुरू हुई तो छोटे-छोटे एपिसोड के साथ काफी छोटे स्केल की वेब सीरीज बनाई जाती थीं। फिर पहली बार इंडिया में ओटीटी प्लेटफॉर्म्स ने कदम रखा तो सैफ अली खान ने 'नेटफ्लिक्स' की सीरीज 'सैक्रेड गेम्स' और विवेक ओबेरॉय ने 'प्राइम वीडियो' की सीरीज 'इनसाइड ऐज' में काम किया। इन सभी एक्टर्स ने तब बहुत नपी-तुली फीस लेकर ओटीटी पर शुरुआत की। फिर धीरे-धीरे इंडिया में ओटीटी पॉपुलर होता गया और स्टार्स हर शो के लिए मोटी फीस चार्ज करने लगे। साल 2021 में अजय देवगन ने एक सुपरहिट ब्रिटिश शो 'लूथर' के हिंदी अडैप्शन में काम किया। अजय देवगन ने 'रुद्रा - एज ऑफ डार्कनेस' में एक पुलिस ऑफिसर का काम किया था। बॉलीवुड हंगामा की एक रिपोर्ट के मुताबिक अजय देवगन ने सिर्फ 7 एपिसोड के लिए 125 करोड़ रुपये चार्ज किए थे। यानि अजय देवगन उस वक्त एक एपिसोड के लिए 18 करोड़ रुपये चार्ज कर रहे थे।

...'बेशरम'गाने पर नाचना चाहती थीं कटरीना

आलिया भट्ट से शादी करने से पहले रणबीर कपूर के दो अफेयर्स सुर्खियों में रह चुके हैं। इनमें से पहला दीपिका पादुकोण और दूसरा कटरीना कैफ के साथ था। अब कटरीना का एक वीडियो वायरल हो रहा है। इसमें उनसे पूछा गया था कि अगर रणबीर कपूर की शादी में नाचने का मौका मिलेगा तो वह किस गाने पर डांस करेंगी। इस पर कटरीना ने 'बेशरम' गाना बताया था। वहीं साथ बैठे आमिर ने भी मजेदार बात कही थी। वायरल वीडियो धूम 3 के प्रमोशन के वक्त का है। इसमें आमिर खान, कटरीना कैफ और अभिषेक बच्चन दिख रहे हैं। फिल्म 2013 में रिलीज हुई थी। उस वक्त कटरीना रणबीर के साथ रिलेशनशिप में थीं। कटरीना से पूछा गया कि रणबीर उनके बहुत अच्छे दोस्त हैं। अगर उनकी शादी में डांस करने का मौका मिले तो वह कौन सा गाना चुनेंगी? इस पर आमिर बोले, आप लोग बहुत मीन(दुष्टताभरे) सवाल पूछते हो यार। कटरीना जो कि रणबीर की गर्लफ्रेंड थीं, उन्होंने जवाब दिया था, 'जिंदगी ने अगर मुझे ऐसा मौका दिया और किसी वजह से मुझे वहां डांस करना पड़ा तो मैं 'बेशरम' गाने पर डांस करूंगी।' इस पर आमिर बोलते हैं, 'अब तक तो आप सलमान के बारे में पूछते रहते थे। अब रणबीर के बारे में पूछ रहे हैं। अच्छा आप लोग मेरी के बारे में क्यों नहीं पूछते। अभी तीन बाकी हैं मेरी भैया।'

श्रद्धा कपूर का X अकाउंट हैक?

श्रद्धा कपूर का ट्विटर यानी X अकाउंट हैक हो गया है? यह सवाल एक्ट्रेस के हर फैन के मन में उमड़ रहा है। इसकी वजह है श्रद्धा का एक अजीब सा पोस्ट यानी ट्वीट। श्रद्धा ने 25 मार्च की रात एक अजीब सा पोस्ट किया, जिसे देख फैंस परेशान हो गए हैं, क्योंकि उन्होंने जो लिखा, उसका किसी को कोई मतलब ही समझ नहीं आ रहा है। श्रद्धा कपूर ने रात 10 बजकर 18 मिनट पर पोस्ट किया- Easy $28. GG !...उनके ट्वीट पर यूजर्स के ढेरों कमेंट आ रहे हैं। वो पूछ रहे हैं कि क्या अकाउंट हैक हो गया है? वहीं कुछ ने पूछा कि आखिर ऐसा अजीब पोस्ट क्यों कर रही हो। कुछ यूजर्स ने AI Grok से श्रद्धा कपूर के इस मैसेज का मतलब पूछा गया तो जवाब मिला, 'श्रद्धा कपूर के Easy $28. GG का मतलब है कि उन्होंने किसी गेम या रिवॉर्ड ऐप से $28 कमाए हैं, जबकि GG का मतलब है गुड गेम यानी उन्होंने गेम में जीत हासिल की है। अधिक जानकारी के बिना संदर्भ स्पष्ट नहीं है, लेकिन गेमिंग रिवॉर्ड सबसे उपयुक्त है।'उधर X पर स्कूल के दिनों की श्रद्धा कपूर की तस्वीर वायरल हो रही है, जिसे देख फैंस भी हैरान हैं। उनका कहना है कि श्रद्धा इतने साल में बिल्कुल भी नहीं बदलीं। वह आज भी वैसी दिखती हैं, जैसे स्कूल के दिनों दिखती थीं।

भारत में 'संतोष' की रिलीज पर CBFC ने लगाई रोक

ब्रिटिश-इंडियन फिल्ममेकर संध्या सूरी की फिल्म 'संतोष', जो ऑस्कर अवॉर्ड में UK की तरफ से भेजी गई थी और शॉर्टलिस्ट भी हुई थी। उसे भारत में रिलीज होना था। लेकिन CBFC ने इसकी रिलीज पर रोक लगा दी है। इस फिल्म को क्रिटिक्स से भर-भरकर तारीफ मिली थी। लेकिन बोर्ड को ये डर है कि इसमें महिलाओं के प्रति गलत भावना, इस्लामोफोबिया और इंडिया पुलिस फोर्स में हिंसा दिखाई गई है, जिसका असर समाज पर पड़ेगा। CBFC ने 'संतोष' को रिलीज करने से पहले उसमें कई कट लगाने को कहे हैं, जो पुलिस फोर्स और कई सामाजिक मुद्दों से संबंधित हैं। उत्तर भारत में बनाई गई इस फिल्म में एक ऐसी महिला की कहानी दिखाई गई है, जिसे उसके पति की मौत के बाद उसकी जगह पर पुलिस में नौकरी मिलती है। और फिर उस महिला को एक दलित लड़की की हत्या का केस सौंपा जाता है। संध्या सूरी की ये फिल्म 'संतोष' जातिगत भेदभाव और यौन हिंसा जैसे मुद्दों को भी दिखाती है। इस मूवी की एक्ट्रेस शहाना गोस्वामी ने 'इंडियन टुडे' को बताया, 'सेंसर ने फिल्म को रिलीज करने के लिए कुछ जरूरी बदलावों की एक लिस्ट दी है। और हमारी पूरी टीम उससे सहमत नहीं हैं क्योंकि वो फिल्म में ज्यादा बदलाव करना चाह रहे हैं और इसलिए ये शायद भारत के थिएटर्स में रिलीज नहीं होगी।' शहाना गोस्वामी ने आगे कहा, 'ये बहुत दुख की बात है कि जिस फिल्म को स्क्रिप्ट लेवल पर सेंसर की मंजूरी मिल गई, उसे भारत में रिलीज करने के लिए इतने सारे कट और बदलाव की जरूरत पड़ रही है।' बता दें कि इस फिल्म को सबसे पहले Cannes फिल्म फेस्टिवल में प्रीमियर किया गया था और वहां इसकी खूब तारीफ हुई थी। इतना ही नहीं, बाफ्टा में ये बेस्ट डेब्यू फीचर के लिए नॉमिनेट हुई थी शहाना गोस्वामी को एशियन फिल्म अवॉर्ड्स में बेस्ट एक्ट्रेस का खिताब भी मिला था।

रुबीना दिलैक ने सुनाई आपबीती

रुबीना दिलैक ने हाल ही खुलासा किया है कि कैसे एक धोखेबाज ने उन्हें फ्लैट दिलवाने का वादा किया था, और फिर तीन साल के लिए गायब हो गया। रुबीना मुंबई में अपना पहला घर खरीदने के चक्कर में अपनी पूरी जमापूंजी गंवा बैठी थीं। इस बारे में उन्होंने भारती सिंह और हर्ष लिंबाचिया के पॉडकास्ट में बताया। रुबीना ने कहा कि इसी वजह से उन्होंने पिछले 10 साल में मुंबई में कहीं कोई निवेश नहीं किया है। रुबीना दिलैक आज टीवी की हाइएस्ट पेड एक्ट्रेसेस में शुमार हैं, और करोड़ों में कमा रही हैं। पर कभी उन्हें काफी स्ट्रगल करना पड़ा था। उन्हें न तो ढंग से पैसे निवेश करने आते थे और ना ही बचत। लेकिन पति अभिनव शुक्ला के आने के बाद से उनकी जिंदगी पूरी तरह बदल गई। उन्होंने एक्ट्रेस को बताया कि कैसे कहां बचत और निवेश करना है। रुबीना दिलैक ने बताया कि जब वह मुंबई आई थीं, तो उन्होंने एक घर में निवेश किया था, पर वह पैसे गंवा बैठीं। इस बारे में उन्होंने बताया, 'मैंने पिछले 10 सालों से मुंबई में कुछ भी निवेश नहीं किया है। जब मैंने अपना पहला घर खरीदा, तो वह गलत हाथों में चला गया। 90 दिनों से भी कम समय में मुझे घर में शिफ्ट होना था। जिस आदमी को पैसे दिए थे, वो फरार हो गया।' रुबीना ने आगे बताया, ' न तो मुझे घर मिला और ना ही वो आदमी। मुझे उसे ढूंढने और पैसे वापस लेने में 3 साल लग गए। लेकिन वो कभी मिले ही नहीं। मैंने घर गंवा दिया, पैसे और बाकी सब भी।' रुबीना ने बताया कि पहले वह सारे पैसे खर्च कर देती थीं और कुछ मैनेजमेंट नहीं था। इस वजह से वह एक रुपये की भी बचत नहीं कर पाईं। लेकिन अभिनव शुक्ला से मिलने के बाद सब बदल गया। रुबीना के मुताबिक, टीवी शो 'छोटी बहू' से उन्होंने खूब नोट कमाए, पर उन्होंने सारे पैसे खर्च कर दिए। पर पति अभिनव शुक्ला ने उन्हें सेविंग करनी सिखाई।

मैंने घर गंवा दिया, पैसे और बाकी सब भी

पति अभिनव ने सिखाई सेविंग

एनिमल की शूटिंग के दौरान सेट पर रो पड़ी थीं

रणबीर कपूर और रश्मिका मंदाना की फिल्म 'एनिमल' साल 2023 की सबसे बड़ी हिट फिल्मों में गिनी गई। फिल्म में रश्मिका मंदाना ने गीतांजलि नाम की लड़की का किरदार निभाया था, जो रणविजय (रणबीर कपूर) से शादी करती है। फिल्म में बहुत सारे सीन रणबीर और रश्मिका ने साथ दिए थे, और शूटिंग के दौरान दोनों ने बहुत सा वक्त साथ बिताया था। लेकिन क्या आपको पता है कि उन्हीं दिनों के दौरान रश्मिका ने स्टार्स को दिए जाने वाले नाश्ते को लेकर सवाल उठाया था। लेकिन अगले दिन रणबीर ने जो किया, वो देखकर रश्मिका की आंखों में आंसू आ गए। रश्मिका मंदाना ने एक इंटरव्यू के दौरान यह किस्सा सुनाया। पुष्पा-2 फेम एक्ट्रेस ने कहा, "जब हम एनिमल की शूटिंग कर रहे थे, मैं नाश्ते को लेकर शिकायत कर रही थी।

हंसल मेहता का कंगना रनौत पर पलटवार

कॉमेडियन कुणाल कामरा के स्टैंड-अप एक्ट को लेकर विवाद हुआ। इस पर फिल्ममेकर हंसल मेहता और एक्ट्रेस कंगना रनौत सोशल मीडिया पर भिड़ गए। कुणाल ने महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के बारे में मजाक किया, जिसके बाद जहां उन्होंने परफॉर्म किया था, उस स्टूडियो में तोड़फोड़ की गई और बाद में बीएमसी ने उसे ध्वस्त कर दिया। इस घटना के बारे में मुखर रहे हंसल से एक्स (पहले ट्विटर) पर एक व्यक्ति ने सवाल किया कि जब कंगना का घर तोड़ा गया तो उन्होंने उनका समर्थन क्यों नहीं किया? इसके बाद हंसल और कंगना के बीच जुबानी जंग शुरू हो गई। 'सिमरन' फिल्म बनाने वाले Hansal Mehta ने एक ट्वीट शेयर किया, जिसमें कॉमेडियन कुणाल कामरा को निशाना बनाते हुए उनका अपमान किया गया था। जब एक X यूजर ने हंसल से कंगना के घर में तोड़फोड़ पर उनकी चुप्पी के बारे में पूछा तो उन्होंने जवाब दिया, 'क्या उनके घर में तोड़फोड़ की गई थी? क्या गुंडे उनके परिसर में घुसे थे? क्या उन्होंने उनकी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को चुनौती देने या कथित एफएसआई उल्लंघन के लिए ऐसा किया? कृपया मुझे बताएं। शायद मुझे फैक्ट नहीं पता।'

माहे रमजान का समापन , ईद उल-फित्र- आज

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

मुफ्ती-ए-आजम मध्य प्रदेश हजरत,मौलाना, डॉक्टर मुशाहिद रजा कादरी के अनुसार 29 रमजान को ईद उल-फि त्र का चांद आम तौर पे नजर आ गया है! लिहाजा आज 31 मार्च सोमवार को ईद-उल-फि त्र है! चांद नजर आने पर पाक माह रमजान शरीफ का कल समापन हुआ है। आज मुस्लिम धमार्लंबी पूरे माह रोजे और इबादत करने के बाद अल्लाह का शुक्र अदा करने के लिए ईद-उल-फि त्र की नमाज अदा करेंगे।

ईदगाह कला रानीताल

ईदगाह कला रानीताल मे मुफ्ती-ए- आजम मध्यप्रदेश हजरत मौलाना डॉक्टर मुशाहिद रजा कादरी मुस्लिम धर्मावलंबियों को संबोधित करेंगे! जिसके बाद ठीक 10: 30 बजे नायबे मुफ्ती- ए-आजम मध्यप्रदेश हजरत सूफी ज़ियाऊल हक कादरी बुरहानी ईद की नमाज अदा कराएँगे। नमाजोपरान्त मुस्लिम बंधु आपस मे गले मिलकर एक दूसरे को ईद की मुबारकबाद पेश करेंगे!

गोहलपुर मोमिन ईदगाह

मोमिन ईदगाह गोहलपुर में प्रातः 8 बजे ईद उल फित्र की नमाज अदा की जाएगी। हाफिज मुहम्मद ताहिर साहब अदा कराएँगे। नमाजियों से समय से पहले पहुंचने की अपील की है!

सदर ईदगाह

ईदगाह सदर बाजार में प्रातः 9:30 बजे मौलाना जियाउर रजा चांद कादरी ईद की नमाज अदा कराएंगे! अकबर खान सरबर, अब्दुल शफीक कुरैशी आदि ने समय से पहले पहुंचने की अपील की है!

गढ़ा ईदगाह

उपनगरीय क्षेत्र गढ़ा ईदगाह मे प्रातः 10 :15 बजे ईद की नमाज हाफिज कारी मौलाना अमीर अशरफ अदा कराएँगे। कमेटी के हाजी तौसीफ रजा व पदाधिकारियों ने समय से पहले पहुंचने की अपील की है!

शिया जामा मस्जिद- शिया जामा मस्जिद जाकिर अली फूटाताल मे प्रातः 9:30 बजे मौलाना सैय्यद हैदर मेहंदी खुशतर साहब ईद की नमाज अदा कराएँगे। नमाज उपरांत शिया बंधु गले मिलकर एक दूसरे को मुबारकबाद पेश करेंगे! अफसर नकवी ने समय से पहले पहुंचने की अपील की है! प्रातः 10: 30 आगा चौक स्तिथ आगा दरगाह में मौलाना सुल्तान अहमद साहब ईद उल-फि त्र की नमाज अदा कराएंगे।

ईद मुबारक

मुस्लिम समुदाय के हाजी कदीर सोनी, हाजी मकबूल अहमद रजवी, हाजी शेख जमील नियाजी, मतीन अंसारी, पप्पू वसीम खान, बाबा रिजवान, अमीन कुरेशी, हाजी मुईन खान, जमा खान, प्यारे साहब, मुबारक अली कादरी, सैय्यद कादिर अली कादरी, अकबर खान सरवर, याकूब अंसारी, हाजी तौसीफ रजा, शमीम अंसारी गुडडू, अशरफ मंसूरी, जवाहर कादरी, अशरफ राईन, आदि ने नगरवासियों को ईद की मुबारकबाद पेश करते हुए पर्व को परम्परागत शालीनता तथा साम्प्रदायिक सद्भाव के साथ मनाने की अपील की है!

रिटायर होने के 48 घंटे पहले 'रस्मअदायगी' की जोन स्तरीय बैठक

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

रिटायर होने के 48 घंटे पहले पुलिस महानिरीक्षक अनिल कुशवाह ने जोन स्तरीय बैठक करते हुए आमजन की सुरक्षा और अपराधियों की धरकपड़ से संबंधित कई दिशा-निर्देश दिए हैं। 31 मार्च को सेवानिवृत्त होने वाले आईजी अनिल कुशवाह ने 29 मार्च को आईजी/डीआई छिंदवाड़ा सचिन अतुलकर, डीआई जबलपुर अतुल सिंह, एसपी जबलपुर सम्पत उपाध्याय, कटनी एसपी अभिजीत कुमार रंजन, एसपी सिवनी सुनील मेहता, एसपी छिंदवाड़ा अजय पांडे, नरसिंहपुर एसपी मृगाखी डेका एवं पाढुर्ना एसपी सुंदर सिंह कनेश से कहा कि नवरात्र सहित ईद के मौके पर पुलिस सक्रिय रहते हुए फील्ड पर रहे। पुलिस महानिरीक्षक कार्यालय में हुई बैठक की चर्चा पुलिस महकमें में पूरे दिन रही। चर्चा थी कि सिर्फ 'रस्मअदायगी' के लिए इस बैठक का आयोजन किया गया था। बैठक में इस बात की चर्चा भी हुई कि साहब का सेवानिवृत्ति कार्यक्रम कहां से करना है और कितना भव्य करना है। 15 फरवरी 2024 को जबलपुर जोन में पुलिस महानिरीक्षक की कमान संभालने वाले आईजी अनिल कुशवाह का 13 माह का कार्यकाल सामान्य ही रहा है। शनिवार को हुई इस जोन स्तरीय बैठक में अनिल सिंह कुशवाह के द्वारा कानून व्यवस्था स्थिति की समीक्षा कर निर्देशित किया कि अगामी त्यौहार गुड़ी पडवा, ईद, नवरात्र, राम नवमी, महावीर जयंती, गुड फ्रायडे में संपूर्ण सर्तकता जाए। सोशल मीडिया पर पैनी निगाह रखें, साम्प्रदायिक सद्भाव बिगाड़ने वाले और धार्मिक भावनाओं को भड़काने वाले लोगों, असामाजिक तत्वों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए। त्यौहारों पर निकलने वाले जुलूस एवं आयोजित कार्यक्रमों के दौरान पर्याप्त पुलिस बल तैनात करने के निर्देश दिए हैं। आईजी ने अनसुलझे अपराधों की समीक्षा कर हत्या, हत्या का प्रयास के ऐसे प्रकरण जिनमे अभी तक आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हुई है उनमें अज्ञात आरोपियों की पतासाजी करने और संपत्ति संबंधी अपराध नकबजनी, वाहन चोरी, लूट के प्रकरणों में टीम बनाकर चोर गिरोह को पकड़ने के निर्देश दिए हैं।

ईद पर व्यवस्थाओं को लेकर की प्रशासन से मांग

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

मुस्लिम धर्मावलंबियों के पवित्र पर्व ईद-उल-फित्र के अवसर पर मुस्लिम विकास परिषद ने मूलभूत सुविधाओं और व्यवस्थाओ की मांग की है। परिषद के जिलाध्यक्ष डॉ. मुईन अंसारी, पठान समाज के सरदार हाजी मुईन खान, पत्रकार आरिफ खान, समाजसेवी फैजान कुरैशी, एड. अय्यूब अंसारी, रम्भल विश्वकर्मा, मामूर गुड्डू, एड.रियाज, इस्तियाक अंसारी, इरफान कुरैशी, जावेद मिर्जा, गुलाम साबरी, एड. अकबर उस्मानी, शाहिद कुरैशी, तारिक कुरैशी, अशरफ कुरैशी, लियाकत जावेद, मुज्जफर कुरैशी, साजिद काजी, अहमद रजा, इस्लाम अली आदि ने नगर निगम, जिला व पुलिस प्रशासन से मस्जिदों के आसपास व मुस्लिम बहुल क्षेत्रों में उचित साफ सफाई, बिजली, नलों में अतिरिक्त पानी, पानी के टैंकर, चूने की लाइने, डीडीटी छिड़काव व पुलिस व्यवस्था किये जाने की मांग की है।

डॉ. मुईन अंसारी
जिलाध्यक्ष
मप्र मुस्लिम विकास परिषद, जबलपुर

मेडिकल के सामने से चोरी हो गया ई-रिक्शा, मामला दर्ज

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

हनुमानताल में रहने वाले छोटू बेन ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह अपने ईरिक्ष शा क्रमांक एमपी 20 जेडपी 1587 से सवारी छोड़ने के लिए मेडिकल अस्पताल गया था। जहां सवारी छोड़ने के बाद उसने ई-रिक्शा वहीं खड़ा किया और किसी काम से अंदर चला गया। थोड़ी देर बाद जब वह वापस आया तो ई-रिक्शा वहां से गायब था। छोटू ने अपने स्तर पर रिक्शा खोजा लेकिन कहीं कुछ पता नहीं चला। जिसके बाद उसने थाने पहुंचकर पूरी घटना से पुलिस को अवगत कराया।

सतना में सराफा कारोबारियों को ठगने वालों को तलाश रही जबलपुर पुलिस

रांझी, खमरिया व घमापुर की पुलिस ढूंढ रही ब्लेक स्कार्पियो

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

नकली सोना देकर असली जेवर खरीदने वाले बंटी-बबली और उनकी काली स्कार्पियो को जबलपुर पुलिस तलाश रही है। ठगबाज गैंग नकली सोने में असली सोने की परत लगाकर सराफा कारोबारियों को चूना लगा रही है। सतना में 5 सराफा कारोबारियों को ठगने के बाद उक्त बंटी-बबली के जबलपुर में सक्रिय होने की बात सामने आई है। काले रंग की स्कार्पियो के एक साथ बंटी-बबली की गैंग को थाना रांझी, घमापुर और खम्हरिया थाना की पुलिस जगह-जगह तलाश रही है। जानकारी के मुताबिक ठग गिरोह में 50 साल की एक महिला और 30 साल का युवक शामिल है। 3 दिन पहले बंटी-बबली ने सतना के आरती ज्वेलर्स के संचालक को चूना लगाने के बाद मां शारदा आर्नामेंट रीवा रोड तथा संस्कार आर्नामेंट राजेन्द्र नगर में ठगी की वारदात को अंजाम दिया है। बताया जाता है कि उनके द्वारा सभी दुकानों से चेन की ही ठगी की गई। इसके अलावा शहर के 2 और ज्वेलर्स शो रूम में भी इस गिरोह ने ठगी की वारदात को अंजाम दिया है। सतना में चल रही जांच- पड़ताल के बीच पुलिस और सराफा कारोबारियों को पता चला है कि उक्त गैंग जबलपुर में सक्रिय है। शहर के घमापुर क्षेत्र में उक्त गैंग को देखा गया है। घमापुर क्षेत्र के सीसीटीवी फुटेज सतना सराफा कारोबारियों के मोबाइल में चल रहे हैं। एक फुटेज में यह गिरोह काली स्कार्पियो क्र मांक यूपी 13 बीएच 0002 में भी नजर आया है। पुलिस मामले की जांच-पड़ताल कर रही है। ठगों के द्वारा काफी लंबी-चौंड़ी बातें कही जा रही थी। युवक के द्वारा अपना नाम चिराग शर्मा पिता जगदीश शर्मा बताते हुए सराफा कारोबारी को बताया कि उसके पिता रेलवे के अफसर हैं और हाल ही में उनकी यहां पोस्टिंग हुई है। हमको सोना खरीदना है, वह भी कैश में।

पहले गाली-गलौज की फिर उठाकर जमीन पर पटक दिया

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

सिहोरा थानाक्षेत्र के नया मोहल्ला में एक बदमाश ने युवक के साथ जमकर अभद्रता की। उसने पहले तो जमकर मारपीट की फिर जान से मारने की धमकी देते हुए वहां से भाग निकला। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर मामले की जांच शुरु कर दी है। पुलिस ने बताया कि कंकाली मोहल्ला में रहने वाले इकबाल शाह ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह अपने दोस्त गोलू के साथ नया मोहल्ला में बैठा था। तभी वहां भगत चौहान आया और बिना वजह गंदी-गंदी गालियां देने लगा। इकबाल ने जब उसे रोका तो गोलू ने पहले तो उसके साथ मारपीट की फिर उठाकर पटक दिया। जिससे उसकी पीठ और हाथ-पैर में चोटें आई हैं।

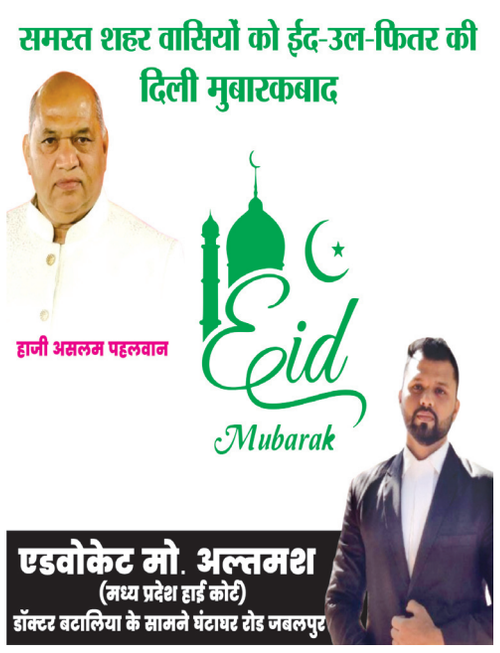

विज्ञापन एवं एजेंसी के लिए संपर्क करें
सिटी ऑफिस- त्रिपुरी भवन, जेडीए योजना क्रं. 18, ब्लाक नं. 9 मेजेनाइन फ्लोर, सिविक सेंटर, जबलपुर।
फोन : 0761-4085321

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक डॉ. राजेश जायसवाल के लिए, एन.एम. पब्लिकेशन प्रा. लि., उखरी चौक, एम.आर.-4 रोड, जबलपुर (म.प्र.) से मुद्रित और कल्चुरी भवन हाउस नं. 3367/1, विवेक नगर, आधारताल, जबलपुर (म.प्र.) से प्रकाशित।
संपादक : डॉ.राजेश जायसवाल* सभी विवादों का न्याय क्षेत्र जबलपुर रहेगा *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के जिम्मेदार। आरएनआई नं. MPHIN/2014/60079 मो. 9425154229, फोन-0761-4085321 e-mail: tripuritimes@gmail.com